A Daily News Magazine

भोपाल

गुरुवार, 23 अक्टूबर, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 53, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अबूझमाड़ में क्या माओवादियों का 'अंतिम क़िला' ध्वस्त हो चुका है?

आलोक पुतुल

भारत के गृह मंत्री अमित शाह के हालिया बयान का मतलब तो यही है कि भारत में माओवादियों का सबसे सुरक्षित इलाक़ा और उनका मुख्यालय कहे जाने वाले बस्तर के अबूझमाड़ इलाक़े में अब माओवादी नहीं बचे हैं। अमित शाह ने 16 अक्टूबर को एक्स पर किए एक पोस्ट में कहा, 'एक समय आतंक का गढ़ रहे छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर को आज नक्सली हिंसा से पूरी तरह मुक्त घोषित कर दिया गया है। अब छिटपुट नक्सली केवल दक्षिण बस्तर में बचे हुए हैं, जिन्हें हमारे सुरक्षा बल शीघ्र ही समाप्त कर देंगे।' उत्तर बस्तर के इलाक़े में कांकेर, नारायणपुर और बीजापुर ज़िले शामिल हैं और इसी इलाक़े का एक बड़ा हिस्सा है- अबूझमाड़।

'बस्तर के वरिष्ठ पत्रकार सुरेश महापात्र कहते हैं कि सरकार को बहुत संवेदनशीलता से काम करने की ज़रूरत है। अबूझमाड़ का नक्सल-मुक्त होना सिर्फ़ एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं, बल्कि उस आदिवासी भूगोल की नई सुबह भी है, जो आज तक ठीक से सरकारी नक्शों तक भी नहीं पहुंचे हैं। लेकिन प्रशासनिक दखल बढ़ने और विकास योजनाओं के पहुंचने की उम्मीदों के बीच, इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि वहां नए सिरे से आदिवासियों का शोषण शुरु हो सकता है। इसलिए सरकार को बहुत संवेदनशीलता से काम करने की ज़रुरत है।'

जीपीएस की रोशनी और गूगल मैप की लकीरों से जगमगाते मौजूदा दौर में भी, छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाक़े के लगभग चार हज़ार वर्ग किलोमीटर में फैला अबूझमाड़ सैकड़ों साल से धरती पर दर्ज, पर दस्तावेज़ों में गुम, एक पहेली की तरह रहा है। अधिकांश इलाकों में यहाँ न किसी ज़मीन की नाप तय है, न किसी चारागाह का पता, न सड़कों की कोई निश्चित रेखा। पुराने दस्तावेज़ों से पता चलता है कि कभी अकबर के ज़माने में यहां राजस्व के दस्तावेज़ इकट्ठा करने की कोशिश हुई थी, पर जंगलों की गहराई ने हर नापने वाले क़दम को निगल लिया और अबूझमाड़ वैसा ही रह गया अबूझ, यानी जिसे समझा न जा सके। 1909 में अंग्रेज़ों ने इस इलाक़े में लगान की गणना करने की कोशिश की, लेकिन वे भी असफल रहे।

आज़ादी के बाद बड़ी मुश्किल से गांवों के आँकड़े इकट्ठे हुए, लेकिन अबूझमाड़ के 237 गांव बरसों अपने ही समय में कैद रहे, नक्शों से बाहर, फ़ाइलों से बाहर, यहाँ तक कि सरकार की अधिकांश योजनाओं से भी बाहर। इस इलाक़े के आदिवासी अपनी ज़मीन के मालिक तो थे, पर उनके पास एक भी कागज़ नहीं था।

सत्तर के दशक में पहली बार नक्सलियों ने इस इलाक़े में आंध्र प्रदेश से प्रवेश किया, लेकिन वे भी वापस लौट गए। पुलिस के दस्तावेज़ों की मानें, तो अस्सी के दशक में नक्सलियों ने दूसरी कोशिश की। नक्सली संगठन 'पीपुल्स वार ग्रुप' की एक टुकड़ी इस इलाक़े में आई और तेंदू पत्ता की मज़दूरी के सवाल पर लोगों को गोलबंद करना शुरू किया।

देश-दुनिया से अनजान, इस इलाक़े के आदिवासी किस हाल में थे, इसे लेकर अंतहीन कहानियाँ और दावे मौजूद हैं। नक्सली दस्तावेज़ों में भी दावा है कि एक किलो नमक के बदले आदिवासियों से एक किलो काजू या चिरौंजी ले लेने जैसे तरह-तरह के अविश्वसनीय किस्सों के बीच, इस इलाक़े में अपनी पैठ बनाने में नक्सलियों को बहुत मुश्किल नहीं हुई।

तब की राजधानी भोपाल से बस्तर के आख़िरी छोर की दूरी लगभग हज़ार किलोमीटर थी और इस इलाक़े में किसी सरकारी अफ़सर की नियुक्ति की तुलना लोग 'काले पानी की सज़ा' से करते थे। 1980 के दशक की शुरुआत में ही आदिवासियों की सामाजिक-सांस्कृतिक निजता का हवाला देकर अबूझमाड़ में बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

इसी दौरान अबूझमाड़ के साथ-साथ बस्तर और अविभाजित मध्य प्रदेश के दूसरे इलाक़ों में नक्सलियों का विस्तार होता चला गया। अबूझमाड़ की भौगोलिक परिस्थिति नक्सलियों के सैन्य प्रशिक्षण के लिए एकदम अनुकूल थी।

छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के नौ साल बाद, 2009 में इस इलाक़े में प्रवेश पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाया गया, लेकिन तब तक नक्सलवाद की जड़ें जंगल की जड़ों की तरह फैल चुकी थीं। वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल ठाकुर कहते हैं, 'अगर दंतेवाड़ा और दक्षिण बस्तर नक्सली हिंसा का केंद्र था, तो उत्तर बस्तर, विशेषकर अबूझमाड़ नक्सलियों का आधार इलाक़ा था, जहाँ नक्सलियों की समानांतर सरकार चल रही थी। 'जनताना सरकार' ज़मीनों के पट्टे बाँटती थी और जन अदालत लगाकर फ़ैसले भी करती थी।' लेकिन सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती नक्सलियों के गढ़ यानी अबूझमाड़ में घुसना था।

2023 में छत्तीसगढ़ में सरकार बदली और विष्णुदेव साय की सरकार ने एक तरफ़ जहाँ माओवादियों को शांति वार्ता के लिए आमंत्रित किया, वहीं दूसरी ओर सुरक्षाबलों के ऑपरेशन की रफ़्तार तेज़ कर दी। सुरक्षाबलों, विशेषकर जिला रिज़र्व गार्ड में, स्थानीय आदिवासियों विशेषकर आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की भर्ती से नक्सलियों के ख़िलाफ़ चलाए जाने वाले ऑपरेशन को पहली बार भौगोलिक समझ भी मिली और रणनीतिक समझ भी। इन अभियानों के समानांतर विकास कार्यों में भी तेज़ी लाई गई। सड़क निर्माण, संचार नेटवर्क, बिजली कनेक्शन और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया गया। प्रशासन ने पहली बार अबूझमाड़ के कई गाँवों का राजस्व सर्वेक्षण शुरू किया, जिससे नागरिक सेवाएँ और सरकारी योजनाएँ वहाँ पहुँच सकें।

बस्तर के इलाक़ों में सुरक्षाबलों के 64 नए कैंप बनाए गए और लगभग हर दिन नक्सलियों के खिलाफ़ ऑपरेशन चलाया गया।

राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कहते हैं, 'हमारी सरकार के पिछले 22 महीनों के कार्यकाल में 477 नक्सली मारे गए हैं, 2110 ने आत्मसमर्पण किया है और 1785 गिरफ्तार किए गए हैं। हमने छत्तीसगढ़ को नक्सलमुक्त करने का संकल्प लिया है और हम उसी रास्ते पर हैं।'

उत्तर बस्तर में माओवादियों के ख़िलाफ़ सरकार की रणनीति और सफलता का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि नारायणपुर जिले की बड़सेटी पंचायत को राज्य की पहली नक्सल-मुक्त पंचायत घोषित किया गयाहालांकि दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा, सुकमा के अलावा उत्तर बस्तर के बीजापुर में नक्सली अभी भी चुनौती बने हुए हैं।

पुलिस के एक अधिकारी कहते हैं, 'अबूझमाड़ जैसे घने जंगलों में कुछ छोटे नक्सली समूह अब भी हो सकते हैं। लेकिन उनसे निपटना बहुत मुश्किल नहीं होगा। हां, अबूझमाड़ केवल एक भूगोल नहीं, बल्कि एक चेतावनी भी है कि सत्ता और समाज की दूरी जब बढ़ती है, तो विचारधाराएँ बंदूक का रूप ले लेती हैं।'

वो कहते हैं, 'इसलिए सरकार को उन मुद्दों पर और गंभीरता से काम करने की ज़रुरत है, जिसके कारण इस इलाक़े में नक्सलियों को जगह मिली थी।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

जंगी बेड़े में शामिल होंगे 220 ब्रह्मोस

● भारत ने पाकिस्तान की ओर मोड़ दिया अपनी ब्रह्मोस का मुंह

पाकिस्तान के साथ तुर्की और कतर के आतंकी नेटवर्क भी थर्राए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रह्मोस की कहानी 1993 में तब शुरू हुई, जब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के तत्कालीन सचिव डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने सुपरसोनिक मिसाइलों पर संयुक्त कार्य की संभावना तलाशने के लिए रूस का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान उन्हें एक अधूरे सुपरसोनिक इंजन प्रोजेक्ट का पता चला, जिसे सोवियत संघ के पतन के बाद पैसों की कमी के कारण छोड़ दिया गया था। सहयोग की संभावनाओं को पहचानते हुए इस बैठक ने एक ऐतिहासिक

रक्षा साझेदारी की नींव रखी। यहीं पर ब्रह्मोस का जन्म हुआ। आज इस ब्रह्मोस के बूते भारत अपने दुश्मनों को पानी पिला रहा है। अब 220 ब्रहमोस को जंगी बेड़े में शामिल किया जाएगा। जैसा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अब ब्रह्मोस की जद में पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन है तो इसका मतलब यह है कि ब्रह्मोस की मारक क्षमता और दायरा भी बढ़ा है। भारत ने इसका मुंह अब पाकिस्तान की ओर कर दिया है।

● **करीब 3500 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बरपाती है कहर**– कई सफल परीक्षणों के बाद ब्रह्मोस को भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना में शामिल किया गया। यह मैक 2.8 (लगभग 3,430 किमी/घंटा) की गति से उड़ता है। इसकी स्पीड अभी ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना है। इसकी सफलता भारत के एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम में निहित है, जिसे 1983 में मिसाइल तकनीक में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए शुरू किया गया था।

केरल में राष्ट्रपति मुर्मू का हेलीकॉप्टर गड्ढे में फंसा

पुलिस और फायर स्टाफ ने धक्का मारकर बाहर निकाला

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का हेलीकॉप्टर बुधवार को उतरने के बाद गड्ढे में फंस गया। मौके पर मौजूद पुलिस और अग्निशमन कर्मियों ने भारतीय वायुसेना के एम-17 हेलीकॉप्टर को धक्का देकर गड्ढे से निकाला। प्रेसीडेंट सबरीमाला मंदिर में दर्शन करने जा रही थीं। यह घटना केरल के पथानामथिट्टा स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में हुई। यहां हेलीपैड जल्दबाजी में बनाया गया था। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों ने कहा, कन्क्रीट पूरी तरह से जम नहीं पाया था, इसलिए जब हेलीकॉप्टर उतरा तो वह उसका भार नहीं संभाल सका और एक तरफ झुकने लगा। जहां इसके पहिए जमीन को छू रहे थे, वहां गड्ढे बन गए। अधिकारियों के अनुसार, लैंडिंग की योजना मूल रूप से पंबा के पास निलक्कल में बनाई गई थी, लेकिन खराब मौसम के कारण इसे प्रामदम में बदल दिया गया। हालांकि, राष्ट्रपति मुर्मू ने बिना किसी देरी के सड़क मार्ग से अपनी यात्रा जारी रखी।

भगवान शिव और विष्णु की संतान हैं अयप्पा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, सबरीमाला मंदिर के भगवान अयप्पा को भगवान शिव और मोहिनी (भगवान विष्णु का अवतार) का पुत्र माना जाता है। इनका एक नाम हरिहरपुत्र भी है। हरि यानी विष्णु और हर यानी शिव, इन्हीं दोनों भगवानों के नाम पर हरिहरपुत्र नाम पड़ा। इनके अलावा भगवान अयप्पा को अयप्पन, शास्ता, मणिकांता नाम से भी जाना जाता है। केरल में शैव और वैष्णवों में बढ़ते मनमुटाव के कारण एक मध्य मार्ग की स्थापना की गई थी, जिसमें अय्यप्पा स्वामी का सबरीमाला मंदिर बनाया गया था। इसमें सभी पंथ के लोग आ सकते हैं।

सुप्रभात

गैर क्या जानिये क्यों
मुझको बुरा कहते हैं
आप कहते हैं जो ऐसा
तो बज़ा कहते हैं
वाकई तेरे इस अन्दाज
को क्या कहते हैं
ना वफ़ा कहते हैं जिस
को ना ज़फ़ा कहते हैं
हो जिन्हे शक, वो करें
और खुदाओं की तलाश
हम तो इन्सान को दुनिया
का खुदा कहते हैं
तेरी सूरत नजर आई
तेरी सूरत से अलग
हुस्न को अहल–ए–नजर
हुस्न नुमां कहते हैं
शिकवा–ए–हिज़्र करें
भी तो करें किस दिल से
हम खुद अपने को भी
अपने से जुदा कहते हैं
तेरी रूदाद–ए–सितम का
है बयान नामुमकिन
फायदा क्या है मगर यूं
जो जरा कहते हैं
लोग जो कुछ भी कहें
तेरी सितमकोशी को
हम तो इन बातों अच्छा
ना बुरा कहते हैं
औरों का तजुरबा जो कुछ
हो मगर हम तो फ़िराक
तल्खी–ए–ज़ीस्त को
जीने का मजा कहते हैं

– फिराक गोरखपुरी

फूड डिलीवरी करके गुजारा कर रहे सरकारी कर्मचारी

22 दिन से सैलरी नहीं, ट्रम्प का प्रस्ताव 11वीं बार गिरा, दूसरा सबसे लंबा शटडाउन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में कई सरकारी कर्मचारियों को अब फूड डिलीवरी या अस्थायी नौकरियों कर गुजारा करना पड़ रहा है। वे रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने और ईएमआई भरने के लिए ऐसा कर रहे हैं। दरअसल, देश में लगे शटडाउन की वजह से 7.5 लाख सरकारी कर्मचारियों की सैलरी रुकी हुई है। अमेरिका में 1 अक्टूबर से शुरू हुआ सरकारी शटडाउन अब 22वें दिन में पहुंच गया है। संसद के ऊपरी सदन सीनेट में 20 अक्टूबर को फंडिंग बिल पर 11वीं बार वोटिंग हुई, लेकिन राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रस्ताव को फिर से खारिज कर दिया गया। ऐसे में यह अमेरिकी इतिहास का दूसरा सबसे लंबा शटडाउन बन गया है। अमेरिका का फिस्कल ईयर यानी खर्च का साल 1 अक्टूबर से शुरू होता है। यह एक तरह से सरकार का आर्थिक साल होता है, जिसमें वह अपना पैसा खर्च करने और बजट बनाने की योजना बनाती है। इस दौरान सरकार तय करती है कि कहां पैसा लगाना है, जैसे सेना, स्वास्थ्य या शिक्षा में।

इंदौर के हातोद रेशम केंद्र गोशाला में गोवर्धन पूजा

सीएम बोले- टाइगर अभयारण्य हो सकता है, गो अभयारण्य नहीं, बछड़े को गोद में उठाकर दुलारा

इंदौर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हातोद में आयोजित गोवर्धन पूजा में शामिल हुए। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा टाइगर अभयारण हो सकता है, लेकिन गो अभयारण नहीं हो सकता है। गोमाता तो एक तरह से माता के रूप में स्थापित है। आज के दौर में जमीन छोटी पड़ती जा रही है। हमारे पास सिंचाई के साधन बढ़ गए, ट्रैक्टर की व्यवस्था हो गई।

गोवंश के आधार पर जो खेती होती, उसमें थोड़ा फर्क आ गया है। इस बात की प्रसन्नता है कि अब प्राकृतिक खेती के आधार पर जो पंजीयन कराएगा, उन्हें एमएसपी के साथ अलग से भी राशि दी जाएगी। अपनी जैविक खेती बढ़ाते हुए अपने वंश को भी सुरक्षित करें। आज खेती में जिस प्रकार से रासायनिक खादों का उपयोग हो रहा है ओर उसके माध्यम से क्या होता है वह बताने की जरूरत नहीं है।

सीएम ने विधि-विधान से पूजा की और गाय के बछड़े को गोद में उठाकर दुलार किया। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।नगर निगम की हातोद स्थित रेशम केंद्र गोशाला में गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि सीएम डॉ. मोहन यादव गोवर्धन पूजा संपन्न कराई और गो सेवा से जुड़े कामों का अवलोकन किया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रदेश के सभी विधायकों को 5 लाख रुपए हर साल अपने क्षेत्र की गोशाला देना चाहिए। सांसद 10 लाख रुपए दे।

श्रीकृष्ण और सुभद्रा के स्नेह में झलकता है भाई-बहन के प्यार का अटूट बंधन : मुख्यमंत्री

सीएम निवास में आज होगा भाईदूज का कार्यक्रम,प्रदेश की लाड़ली बहनें होंगी शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण और सुभद्रा का रिश्ता भाई-बहन के प्रेम और संरक्षण की सबसे सुंदर मिसाल है। जिस प्रकार श्रीकृष्ण ने हर परिस्थिति में बहन सुभद्रा की सुरक्षा और सम्मान का ध्यान रखा, उसी भावना से हमारी सरकार भी प्रदेश की हर लाड़ली बहन के सुख, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की साथी है। श्रीकृष्ण और सुभद्रा का संबंध इस बात की याद दिलाता है कि भाई का स्नेह केवल वचन निभाना ही नहीं, कर्म से निभाई जाने वाली जिम्मेदारी भी है। हमारी सरकार इसी दृष्टि से सांस्कृतिक परंपरा को निभाते हुए आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे लिये बहनों की खुशी, उनकी सुरक्षा और आत्मविश्वास सर्वोपरि है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को भाईदूज के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में आयोजित होने वाले भाईदूज कार्यक्रम में सम्मलित होने वाली लाड़ली बहनों को यह संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाईदूज का पर्व भारतीय संस्कृति में प्रेम, स्नेह और जिम्मेदारी का प्रतीक है।

स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को मिला खास सम्मान

ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अब बने लेफ्टिनेंट कर्नल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक गोल्ड मेडल विनर भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को बुधवार को इंडियन आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल का पद प्रदान किया गया। यह दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में हुआ। यह सम्मान नीरज चोपड़ा की एथलेटिक्स में असाधारण उपलब्धियों और लाखों युवा भारतीयों को प्रेरित करने में उनके योगदान के लिए दिया गया है। वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों के समूह में शामिल हो गए हैं, जिन्हें देश के लिए गौरव लाने के चलते आर्म्ड फोर्सेज में मानद पद मिला है। द गैजेट ऑफ इंडिया (सरकारी सूचना पत्र) के अनुसार, यह नियुक्ति 16 अप्रैल से प्रभावी हुई। नीरज 26 अगस्त, 2016 को भारतीय सेना में नायब सूबेदार के पद पर एक जूनियर कमीशंड ऑफीसर के तौर पर शामिल हुए थे। इसके दो साल बाद एथलेटिक्स में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया और फिर 2021 में प्रदर्शन के लिए खेल रत्न मिला।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 30 °c
न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 23 अक्टूबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

बेहद खतरनाक है देवबंद, मदरसे पर रखो नजर

- तालिबान के सबसे बड़े दुश्मन ने भारत को दी चेतावनी

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने भारतीयों और दुनिया भर के हिंदुओं को दीपावली की शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए एक चेतावनी भी दी है। अमरुल्लाह सालेह अफगान तालिबान और पाकिस्तान की सेना के जेहादी एजेंडे के कट्टर

आलोचक हैं। अगस्त 2021 में काबुल पर तालिबान के कब्जे के समय तत्कालीन अशरफ गनी सरकार में उप राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। बाद में उन्होंने तालिबान के विरोधी धड़े वाले विद्रोही नेता अहमद मसूद से हाथ मिला लिया था। सालेह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, सभी भारतीयों और दुनिया भर के हिंदुओं को दीवाली की शुभकामनाएं! आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। इस बीच कृपया देवबंद मदरसे का ध्यान रखें।

पांच महानगरों में खुलेंगे 'इन्वेस्ट यूपी' के सैटेलाइट ऑफिस

- मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और नई दिल्ली में खोले जाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। निवेशकों को प्रदेश में निवेश प्रोत्साहन के लिए देश के पांच महानगर मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और नई दिल्ली में इन्वेस्ट यूपी के सैटेलाइट निवेश प्रोत्साहन ऑफिस खोले जाएंगे। इसका उद्देश्य देश के बड़े औद्योगिक केंद्रों से पूंजी निवेश को सीधे उत्तर प्रदेश तक लाना और निवेशकों को राज्य की नीतियों एवं संभावनाओं से जोड़ना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन प्रस्ताव को हरी झंडी दे चुके हैं। इसी क्रम में इन सैटेलाइट ऑफिसों की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव है, जो राज्य में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देंगे। प्रत्येक ऑफिस में एक जनरल मैनेजर, एक असिस्टेंट जनरल मैनेजर, दो उद्यमी मित्र, दो एग्जिक्यूटिव और दो ऑफिस असिस्टेंट की टीम कार्य करेगी। सभी पांचों कार्यालयों पर कुल 12 करोड़ रुपए से अधिक की वार्षिक धनराशि व्यय होने का अनुमान है। सरकार की योजना के अनुसार, प्रत्येक शहर का सैटेलाइट ऑफिस अपनी भौगोलिक और औद्योगिक विशेषता के अनुरूप रणनीतिक क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा। मुंबई ऑफिस वित्तीय सेवाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम करेगा।

सड़क का कचरा भाजपा नेता के घर में फिंकवाया

पूर्व मंडल अध्यक्ष के घर के बाहर पड़ा था कचरा, सीएमओ ने नाराज होकर लिया ऐक्शन

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर के हरपालपुर में नगर पालिका सीएमओ ने पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष के घर कचरा डलवा दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है।

दरअसल, 18 अक्टूबर को सीएमओ शैलेंद्र सिंह दिवाली की सफाई का निरीक्षण करने पहुंचे थे। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष महेश राय के घर के सामने कचरा पड़ा था। ये देख सीएमओ नाराज हुए और कर्मचारी से कचरा उठवाकर भाजपा नेता के घर के अंदर डलवा दिया।

वीडियो में सीएमओ कहते दिख रहे हैं -आपने कचरा फेंका है, इसलिए आपके घर में कचरा फेंक रहा हूं। सीएमओ के कहने पर कर्मचारी ने कचरा भाजपा नेता के घर डाल दिया।

शिकायत करने पर कचरा घर में डलवाया- पूर्व मंडल अध्यक्ष महेश राय ने बताया, 18 अक्टूबर की शाम सीएमओ अपने कर्मचारियों के साथ मेरे घर आए थे। वे घर के बाहर पड़े कागज के टुकड़ों को देखकर भड़क गए। सीएमओ ने कहा कि घर के बाहर कचरा पड़ा है। मैंने उनसे कहा कि सफाईकर्मी समय पर नहीं आते हैं। सीएमओ ने गुस्से में आकर कर्मचारियों से कचरा उठवाकर मेरे घर के अंदर डलवा दिया। इस घटना की शिकायत कलेक्टर, एसडीएम और भाजपा जिला अध्यक्ष से की है।

अन्नप्राशन संस्कार का वीडियो देख दिल हो जाएगा लट्टू!

- सीएम 'मामा' योगी ने पहले पुचकारा, फिर किया मासूमों का तिलक

गोरखपुर (एजेंसी)। अपने तीन दिवसीय दौरे पर गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में बुधवार को मंदिर भ्रमण के दौरान गौसेवा की। इसके साथ ही समस्याओं को लेकर मंदिर पहुंचे लोगों से मुलाकात कर, उनकी समस्याओं के बारे में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस दौरान एक मौका ऐसा भी आया, जिसे देखकर मौके पर मौजूद महिलाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। दरअसल, कुछ परिजन अन्नप्राशन के लिए अपने बच्चों को लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने परिजनों से मुलाकात कर, उनके बच्चों को अपने हाथों से अन्न खिलाकर अन्नप्राशन कराया।

गोवर्धन पूजा के दिन सीएम योगी ने अपनी समस्याएं लेकर दूर दराज से गोरखनाथ मंदिर पहुंचे लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान कुछ महिलाएं अपने छोटे बच्चों को उनके

हाथों से अनुप्रास संस्कार की रस्म के लिए पहुंची थीं। सीएम योगी ने भी उन्हें निराश नहीं किया और बच्चों को अपनी गोद में लेकर, टीका लगाते हुए अन्न खिलाकर उनका अन्नप्राशन कराया। ये देखकर मौके पर मौजूद महिलाओं के चेहरे पर खुशी झलक उठी। गौरतलब है कि बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार परिवार के बुजुर्ग या मामा करते हैं। सीएम रहते हुए योगी आदित्यनाथ अक्सर गोरक्षपीठाधीश्र के पद को भी पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाते हुए नजर आते हैं। फिलहाल वह तीन दिनों से गोरखपुर में मौजूद है। जहां उन्होंने दीपावली वाले दिन हर साल की तरह वनटागियों के साथ जंगल में जाकर उनके साथ ही दीपावली मनाई और मिठाइयां बांटी। इसके साथ ही उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में भी पूजा अर्चना की। इसी दौरान बुधवार की सुबह मंदिर भ्रमण के दौरान सीएम योगी ने गायों को दुलारते हुए उन्हें अपने हाथों से गुड़-चना खिलाया।

एस-400 को लेकर नई डील की तैयारी में भारत

- पाक को किया था पस्त, अब रूस से 10000 करोड़ की डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपने मौजूदा एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के लिए रूस से 10,000 करोड़ की मिसाइलें खरीदने वाला है। इसके लिए रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को 23 अक्टूबर को होने वाली डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल की बैठक में मंजूरी दे सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना के एस-400 सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी। बताया गया कि इसने पाकिस्तान के 5-6 लड़ाकू विमानों और एक जासूसी विमान को 300 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर मार गिराया। वायु सेना ने एस-400 को भारत की हवाई सुरक्षा रणनीति का गेम चेंजर बताया है। भारत रूस से कुछ और एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीद सकता है। ऐसे पांच सिस्टम्स की डील पहले ही हुई थी, जिनमें से 3 भारत को मिल चुके हैं। चौथे स्क्वाड्रन की डिलीवरी रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण रुकी हुई है। नई डील इनके अलावा होगी। न्यूज एजेंसी के सोर्स के मुताबिक, दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे के समय डील पर बातचीत हो सकती है। भारत ने अक्टूबर 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर का समझौता किया था। उस समय अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि इस सौदे को आगे बढ़ाने पर वह फेमा कानून के तहत भारत पर पाबंदी लगा सकता है। भारत एस-500 मिसाइल सिस्टम खरीदने पर भी विचार कर रहा है। एस-400 और एस-500 दोनों ही मॉडर्न मिसाइल सिस्टम हैं।

जमीन पर लेटे ग्रामीणों को रौंदती निकली गायें

दंगल में लड़े पाड़े, देवास में बच्चों को गोबर में लिटाया

उज्जैन/बड़वानी/धार (नप्र)। दीपोत्सव के चौथे दिन मध्य प्रदेश में आस्था और परंपरा का अनोखा संगम दिखा। उज्जैन के बड़नगर में गाय गोहरी पूजन में गायों की पूजा के बाद ग्रामीण जमीन पर लेट गए, जिनके ऊपर से गायें गुजरीं। इस परंपरा के पीछे मान्यता है कि ऐसा करने से खुशहाली और मन्नत पूरी होती है।

वहीं, हरदा में गोवंश को आग के ऊपर से निकाला गया, ताकि वे सालभर स्वस्थ रहें। बड़वानी में पाड़ों का दंगल सजा। देवास में बच्चों को गोबर में लिटाकर अच्छे स्वास्थ्य की कामना की गई। सेंधवा में आतिशबाजी के बीच पशुओं को मंदिर की सात परिक्रमा कराई गईं। ग्वालियर में सामूहिक गोवर्धन पूजा में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर भी शामिल हुए।

उज्जैन के इस्कॉन मंदिर में गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर पूजन किया गया। पकवानों का भोग अर्पित

किया गया। वहीं, श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा चिंतामन जवासिया में संचालित गोशाला में गोवर्धन पूजा की गई।

बुरहानपुर में 50 से ज्यादा पाड़ों की जंग- बुरहानपुर में दीपावली के पड़वा पर शाहपुर में वार्षिक पाड़ों की टक्कर का आयोजन किया गया। इस साल करीब 50 से अधिक पाड़ों के जोड़ों के बीच दोपहर 3 बजे से अलग-अलग मुकाबले हुए। देखने के लिए करीब 50 हजार लोग पहुंचे।

खंडवा और बुरहानपुर जिलों के अलावा महाराष्ट्र के रावेर सहित अन्य क्षेत्रों से भी दर्शक शामिल थे। यह परंपरा सालों से कायम है और हर साल दीपावली के पड़वा पर यह मेला आयोजित होता है। पाड़ों की टक्कर शाहपुर-फोपनार रोड पर अमरावती नदी के किनारे आयोजित मेले में हुई।

सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के साथ बुरहानपुर विधायक अर्चना चिटनीस, कांग्रेस शहर अध्यक्ष रिंकू टाक, अजय रघुवंशी, पूर्व विधायक ठाकुर सुरेंद्र सिंह और भाजपा नेता गजेंद्र पाटिल सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

गठबंधन संभल नहीं रहा और बात बिहार की करते हैं

- मोदी के हनुमान ने तेजस्वी और राहुल को खूब सुनाया

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बिहार में महागठबंधन की स्थिति पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने महागठबंधन में एकता की कमी का दावा

किया। इसके साथ ही, महागठबंधन के नेताओं पर समाज के वंचित वर्गों के साथ छल करने का आरोप लगाया। निशाने पर खासतौर से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव थे। चिराग पासवान ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, महागठबंधन में इतनी गड़बड़ी चल रही है, लेकिन राहुल गांधी कहां हैं। क्या यह राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की नैतिक जिम्मेदारी नहीं थी कि वे बैठकर गठबंधन में अड़चनों को दूर करें। यह कांग्रेस की गंभीरता की कमी को दर्शाता है।

हर जीविका सीएम दीदी को देंगे 30 हजार वाली परमानेंट नौकरी

बिहार में वोटिंग से पहले तेजस्वी यादव का बड़ा दांव, किया वादा

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में राजद ने बड़ा दांव खेल दिया है। तेजस्वी यादव ने इसको लेकर एक बड़ा चुनावी वादा किया है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि अगर महागठबंधन की सरकार बिहार की सत्ता में आती है तो जीविका दीदियों को बड़ा तोहफा दिया जाएगा। तेजस्वी ने इसे ऐतिहासिक घोषणा बताया है। आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रचार का समय आया है। जनता से संवाद करने का समय आ चुका है। इस बार बिहार के लोगों ने बदलाव का मन बनाया है। लोग मौजूदा डबल इंजन की सरकार से परेशान हैं। पढ़ाई, दवाई और कमाई की चिंता नहीं की। सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि नीतिश कुमार ने उनके संकल्प और योजनाओं की नकल की। सरकार बनने पर हर परिवार को सरकारी नौकरी का वादा दोहराते हुए आरजेडी नेता ने कहा कि इसे हम पूरा करेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि जीविका दीदियों का शोषण किया गया है। उन्हें हक दिलाया जाएगा। जीविका दीदियों को स्थायी कर्मचारी का दर्जा देकर वेतन 30 हजार प्रति महीना किया जाएगा। आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जीविका समूह की दीदियों को दो वर्षों तक ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा। उन्हें अन्य सरकारी कार्यों के निष्पादन के लिए हर महीने 2 हजार रुपये का भत्ता दिया जाएगा। उन्होंने चुनावी वादे के तहत बेटी योजना और मां योजना के तहत महिलाओं को मकान, अन्न और आमदनी का वादा किया। संविदा कर्मियों के लिए स्कीम का वादा करते हुए आरजेडी नेता ने कहा कि उन्हें जॉब सिक्युरिटी और सैलरी सिक्योरिटी की व्यवस्था की जाएगी। एजेंसियों के माध्यम से विभागों में काम करने वाले सभी संविदाकर्मियों को स्थायी करने का वादा किया। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि सरकार में बैठे लोग और एजेंसियां कमीशनखोरी कर रही है। सरकार संविदाकर्मियों के वेतन से जीएसटी भी काटती है, इसलिए स्थायी नौकरी का ऐलान किया गया।

सबरीमाला मंदिर

हाईकोर्ट ने एसआईटी के दायरे का किया विस्तार

सोने की चोरी मामले में साजिश की होगी जांच

कोच्चि (एजेंसी)। केरल हाई कोर्ट ने सबरीमाला मंदिर से सोने की चोरी मामले में एसआईटी जांच का दायरा बढ़ाते हुए जांचकर्ताओं को साजिश और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अधिकारियों की भूमिका की जांच करने का निर्देश दिया है। जस्टिस राजा विजयराघवन और जस्टिस केवी जयकुमार की पीठ ने मंगलवार को वकीलों की अनुपस्थिति में बंद कमरे में हुई कार्यवाही के दौरान यह आदेश दिया। एसआईटी ने सीलबंद लिफाफे में अपनी पहली रिपोर्ट पेश की। अक्टूबर की शुरुआत में अदालत द्वारा गठित एसआईटी को दो मामलों की जांच की जिम्मेदारी दी गई थी। पहला मामला सबरीमला मंदिर के गर्भगृह के सामने द्वारपालकों (संरक्षक देवता) की मूर्तियों पर चढ़ी सोने की परत वाली तांबे की चादरों के वजन में कमी से जुड़ा हुआ है। दूसरा मामला मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजे के फ्रेम से सोना गायब होने से संबंधित है।

अदालत ने कहा कि द्वारपालक मूर्तियों के रखरखाव और उन पर सोने की परत चढ़ाने में गंभीर अनियमितताएं पाई गई थीं। एसआईटी रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा 403, 406, 409, 466 और 467 के तहत आपराधिक विश्वासघात और जालसाजी सहित अपराधों के लिए दो मामले दर्ज किए गए हैं।

सोने की परत के क्षतिग्रस्त होने पर खुला था मामला

अदालत ने 2024 और 2025 के पत्रों और निरीक्षण रिपोर्टों का भी हवाला दिया, जिनसे पता चलता है कि सोने की परत के क्षतिग्रस्त होने और गायब होने का पता पहले भी चला था, लेकिन उस पर पारदर्शी कार्रवाई नहीं की गई। इसके बजाय, उसी प्रायोजक को फिर से यह काम सौंप दिया गया। अदालत ने कहा कि देवस्वओम आयुक्त ने 30 जुलाई, 2025 को शुरू में कहा था कि स्मार्ट क्रिएशंस, चेन्नई के पास सोने की परत चढ़ाने के काम के लिए तकनीकी विशेषज्ञता का अभाव है और यह काम पारंपरिक तरीकों से किया जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने एक सप्ताह के भीतर ही अपना रुख बदल दिया। न्यायाधीशों ने निगरानी की सुविधा के लिए स्वत: संज्ञान लिया।

भोपाल में छठ पूजा की तैयारी, घाटों पर पहुंचे मंत्री

25 अक्टूबर से शुरू होगा महापर्व; 54 छठ पूजन घाट पर सूर्य को अर्घ्य देंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल में छठ महापर्व की शुरुआत 25 अक्टूबर से होगी, जबकि समापन 28 अक्टूबर को होगा। राजधानी में बड़े पैमाने पर महापर्व मनाया जाता है। इसके चलते बड़े स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। बुधवार को मंत्री विश्वास सारंग ने तैयारियों को देखा। वे घाटों पर भी पहुंचे।

मंत्री सारंग अन्नानगर, छोला समेत कई घाट पर पहुंचे। यहां उन्होंने सफाई, बिजली और पानी की व्यवस्था करने को कहा। साथ ही सुरक्षा के लिहाज से पुलिसकर्मियों की तैनाती करने के निर्देश दिए।

छठ महापर्व को लेकर यह तैयारी

- छठ पूजा से पहले घाटों तक पहुंचने वाली सड़कों को रिपेयर किया जा रहा है।
- हर घाट पर चेंजिंग रूम भी बनाए हैं।
- यहां गोताखोर तैनात किए जाएंगे।
- सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी।
- पूजा की शुरुआत से लेकर समाप्ति तक लगातार सफाई का दौर चलेगा। कुंडों की लगातार सफाई होगी।
- बिजली और पेयजल के इंतजाम भी किए जाएंगे।
- एक ही घाट पर हर वर्ग, समाज का व्यक्ति इकट्ठा होता है।

उन्होंने बताया कि छठ महापर्व भोपाल में भी बड़े स्तर पर धूमधाम से मनाया जाता है। खास बात ये है कि एक ही घाट पर हर वर्ग, हर समाज का व्यक्ति इकट्ठा होता है। कोई भेद नहीं होता। यह एक-दूसरे के सद्भाव और समानता का पर्व भी है। इसलिए आज निरीक्षण करके व्यवस्थाएं करने को कहा है।

बुजुर्ग की हत्या, शव बोरे में बंद कर फेंका

मौत से पहले का सीसीटीवी सामने आया, बेटा बोला- लेनदारों पर मर्डर का शक

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पुष्पा नगर स्थित पातरा नाले में मंगलवार दोपहर मिली बुजुर्ग की लाश की शिनाख्त कर ली गई है। मौत से पहले उसका आखरी वीडियो भी मिला है। काजीकैंप के एक युवक से बुजुर्ग ने दो हजार रुपए लिए थे। इसके बाद रहस्यमय हालात में लापता हो गए। मृतक के बेटे का आरोप है कि कुछ लोगों से पिता को उधार दी रकम लेना थी। इन्हीं पर हत्या का शक है।

बुधवार दोपहर को परिजनों की मौजूदगी में बॉडी का पीएम गांधी मेडिकल कॉलेज की मर्चुरी में कराया जा रहा है। 18 अक्टूबर को मृतक की गुमशुदगी हनुमानगंज थाने में परिजनों ने दर्ज कराई थी। जबकि शव मिलने के बाद अशोका गार्डन थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है और हत्या का केस दर्ज किया जा रहा है।

बेटा बोला कई लोगों से पिता को पैसा लेना था- जानकारी के मुताबिक सईद रशीदी पिता सगीर रशीदी (64) सईद कॉलोनी थाना निशातपुरा क्षेत्र के रहने वाले थे और प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। उनके बेटे नासिर खान ने बताया कि 17 अक्टूबर को पिता अपनी बाइक से काजीकैंप गए थे। यहां उन्होंने शाम के समय आमिर कबाब नाम के युवक से मुलाकात की। उससे मुलाकात से पहले पिता सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं, लेकिन मुलाकात के बाद उसी रास्ते से लौटते नहीं दिखे हैं। रातभर नहीं लौटे तो अगले दिन 18 अक्टूबर को हमने थाने में शिकायत की। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की। मंगलवार को एक बॉडी पुष्पा नगर नाले में मिली। शाम के समय हमें शिनाख्त करने के लिए मर्चुरी बुलाया गया। मैंने कपड़ों और चेहरा देखकर उनकी शिनाख्त कर ली। पिता के गले को धारदार हथियार से रेता गया है। उनके सीने पर चाकू घोंपा गया है। इसी के साथ बॉडी के अन्य हिस्सों पर भी चोटों के निशान हैं। पिता की किसी से कोई रंजिश नहीं थी, उनकी गाड़ी काजीकैंप के शीबा पेट्रोल पंप पर खड़ी मिली है। सोनी और गुड्डू सहित अन्य कुछ लोगों से पिता का लेन-देन था। इनसे पिता को पैसा लेना था, संभव है कि रकम न देने के लिए इन्हीं लोगों ने पिता की हत्या की और शव को बोरे में बंद कर नाले में फैंक दिया। हालांकि पुलिस मामले की सभी एंगल पर जांच कर हरी है।

ग्रीन-एजी परियोजना के तहत कांटारहित कैक्टस खेती सीखने अमलाहा पहुँचे किसान

भोपाल (नप्र)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा खाद्य एवं कृषि संगठन की ग्रीन-एजी परियोजना के अंतर्गत श्योपुर जिले के किसानों का एक दल डॉ. नीलम बिसेन पवार, राज्य तकनीकी समन्वयक, श्रीमती मिली मिश्रा, संचार अधिकारी और पशुपालन विशेषज्ञ अमृतेश वशिष्ठ के साथ सीहोर स्थित

आईसीएआरडीए केंद्र, अमलाहा पहुँचा। इस दौरे का उद्देश्य किसानों को कांटारहित कैक्टस की खेती और उसके विविध उपयोगों के बारे में जानकारी देना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. नेहा तिवारी, वैज्ञानिक ने बताया कि कैक्टस एक ऐसा पौधा है जो बेहद कम पानी में भी आसानी से उग जाता है और शुष्क व बंजर भूमि में भी अच्छी तरह पनप सकता है। कांटारहित होने से यह पशुओं के लिए गर्मी और सूखे के समय हरे चारे का एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक स्रोत है। इसके अतिरिक्त, कांटा रहित नागफनी से बायोगैस और खाद तैयार करने के तरीके भी किसानों को समझाए गए।

किसानों को कैक्टस की पोषण संबंधी विशेषताओं और इसके दीर्घकालिक लाभों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस दौरान किसानों ने खेतों में जाकर प्रत्यक्ष रूप से कांटारहित कैक्टस की विभिन्न किस्मों के पौधों का अवलोकन किया और उसकी खेती की तकनीक को समझा। किसानों का मानना था कि यह खेती न केवल पशुपालन के लिए उपयोगी है बल्कि उनकी आय बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध हो सकती है।

अयोध्या नगर में सेकेंड फ्लोर से गिरी महिला की मौत

सफाई करते समय हादसा हुआ, पुलिस ने शुरू की जांच

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अयोध्या नगर इलाके में सफाई कर रही महिला सेकेंड फ्लोर की बालकनी से गिर गई। हादसा मंगलवार का है। बुधवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। महिला अर्चना कुलश्रेष्ठ (34) डीके होम्स में रहती थी। वह गृहिणी थी और उनके पति अमित कुलश्रेष्ठ प्राइवेट जॉब करते हैं। मंगलवार रात वह अपने घर सेकेंड फ्लोर की बालकनी में सफाई कर रही थी। इसी दौरान नीचे गिर गई। परिजनों ने उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था।

लंबे समय से बीमार भी चल रही थीं- बुधवार दोपहर को महिला के शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों ने पुलिस को यह भी बताया कि वह लंबे समय से बीमार चल रही थी। ऐसे में पुलिस सुसाइड के एंगल पर भी जांच कर रही है।

जजों को मिलेगा 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता, कर्मचारियों को इंतजार

न्यायाधीशों को डीए देने के आदेश जारी, एमपी सरकार ने अभी नहीं लिया फैसला

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के करीब साढ़े सात लाख कर्मचारियों को जहां महंगाई भत्ते (डीए) में बढ़ोतरी का इंतजार है, वहीं राज्य सरकार ने न्यायिक सेवा के अधिकारियों को राहत दी है। सरकार ने उनका केंद्र के समान 3त्न महंगाई भत्ता बढ़ाने के आदेश जारी कर दिए हैं। इसके साथ ही अब न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों को 58 प्रतिशत डीए का भुगतान किया जाएगा।

विधि विभाग ने जारी किए आदेश- विधि और विधायी कार्य विभाग ने एमपी हाईकोर्ट जबलपुर के रजिस्ट्रार जनरल को भेजे निर्देश में कहा है कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों को वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग ने 1 जुलाई 2025 से 3 प्रतिशत बढ़ा महंगाई भत्ता स्वीकृत किया है। इसके तहत मध्यप्रदेश न्यायिक सेवा (वेतन, पेंशन तथा अन्य सेवानिवृत्ति लाभों का पुनरीक्षण) नियम 2022 के नियम-9 के अंतर्गत यह बढ़ोतरी न्यायिक सेवा अधिकारियों पर भी लागू होगी।

सांसद वीडी शर्मा की डिमांड पर मिली वंदे भारत ट्रेन

खजुराहो से बनारस तक चलेगी, रेल मंत्रालय ने जारी किया शेड्यूल

भोपाल (नप्र)। केंद्र सरकार ने विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल खजुराहो से बनारस तक वंदे भारत ट्रेन चलाने को मंजूरी दी है। इसका शेड्यूल भी रेल मंत्रालय ने जारी कर दिया है। केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने खजुराहो सांसद वीडी शर्मा को पत्र लिखकर ट्रेन मंजूर होने और शेड्यूल जारी होने की जानकारी दी है। इसके पहले एमपी में 4 वंदे भारत ट्रेन चल रही हैं।

बीजेपी के खजुराहो से सांसद और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बीजेपी वीडी शर्मा ने कहा कि इसे कहते हैं मोदी की गारंटीजफिर दिखा बुंदेलखंड की जनता के प्रति पीएम नरेंद्र मोदी का प्यार, दीपावली पर दिया वंदे भारत का उपहार। शर्मा ने इसको लेकर पीएम मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का धन्यवाद करते हुए कहा है कि खजुराहो से बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस को मंजूरी मिली है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शर्मा को स्वीकृति पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी है। इसमें खजुराहो से बनारस चलने वाली वंदे भारत का शेड्यूल जारी किया है। गौरतलब है कि खजुराहो सांसद शर्मा ने खजुराहो से बनारस तक वंदे भारत ट्रेन चलाने को लेकर 24 जुलाई और 5 अक्टूबर को रेलमंत्री वैष्णव से मुलाकात कर पत्र सौंपा था। इसके बाद रेल मंत्रालय ने ट्रेन चलाने पर सहमति दी है।

पहले से यहां से चल रहीं वंदे भारत ट्रेन

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन इसके पहले रानी कमलापति से हजरत निजामुद्दीन, रानी कमलापति से रीवा, इंदौर से नागपुर और खजुराहो से हजरत निजामुद्दीन के लिए चल रही हैं। अब खजुराहो से बनारस का शेड्यूल जारी होने के बाद एमपी से चलने वाली यह पांचवीं वंदे भारत ट्रेन होगी।

खजुराहो से दोपहर बाद 3.20 बजे चलेगी ट्रेन

रेलमंत्री वैष्णव के पत्र में कहा गया है कि वंदे भारत ट्रेन खजुराहो से दोपहर बाद 3.20 बजे चलेगी। ट्रेन खजुराहो से महोबा, बांदा होते हुए चित्रकूट धाम शाम 6:13 पहुंचेगी। इसके बाद चित्रकूट धाम से प्रयागराज छिवकी फिर विंध्याचल से ब्लॉक हट के होते हुए रात 11 बजे वाराणसी पहुंचेगी।

दूसरे दिन सुबह 5:25 बजे ट्रेन बनारस से खजुराहो के लिए रवाना होगी और 6:10 बजे ब्लॉक हट के इसके बाद 6:55 बजे विंध्याचल पहुंचेगी। ट्रेन 8 बजे प्रयागराज छिंवकी, 10:05 बजे चित्रकूट धाम, 11:08 बजे बांदा, 12:08 बजे महोबा और दोपहर बाद 1:10 बजे खजुराहो पहुंचेगी।

57 वर्षीय व्यक्ति ने रैपर सहित दवा निगली

एक महीने तक फूड-पाइप में फंसा रहा, पानी पीने में कठिनाई हुई तो अस्पताल पहुंचा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने डॉक्टरों तक को हैरान कर दिया। बीएमएचआरसी (भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) में बुधवार को एक 57 वर्षीय मरीज आया, जिसे भोजन तो दूर, पानी तक निगलने में परेशानी हो रही थी। जब बीएमएचआरसी के डॉक्टरों ने पहले टॉर्च से गले की जांच की तो ऊपरी तौर पर सब कुछ सामान्य दिखा। लेकिन जैसे ही एंडोस्कोपी की गई, सामने आया कि मरीज के फूड-पाइप के निचले हिस्से में दवा का रैपर फंसा हुआ था।

जब एंडोस्कोपी जांच की गई तो जो दिखा उसने सभी को चौंका दिया, उसके फूड-पाइप में दवा का पूरा रैपर फंसा हुआ था। आशंका है कि व्यक्ति ने नशे की हालत में दवा रैपर समेत निगल ली थी। एक महीने तक यह यह फूड-पाइप में फंसा रहा, जिससे गहरा घाव और सूजन हो गई।

नशे में निगल ली दवा का रैपर- मरीज से पूछताछ में उसने बताया कि संभवतः नशे की हालत में उसने दवा को रैपर सहित निगल लिया था। डॉक्टरों का कहना है कि यह रैपर कम से कम एक महीने तक फूड-पाइप में फंसा रहा, जिससे न केवल वहां सूजन हुई बल्कि अंदरूनी परत पर गहरा घाव बन गया। जहां रैपर फंसा था, वहां से पानी और भोजन पेट तक पहुंचना लगभग बंद हो गया था।

25 मिनट की जटिल प्रक्रिया कर निकाला रैपर- बीएमएचआरसी के उदर रोग शल्य विभाग की टीम ने एंडोस्कोपी के जरिए सफलतापूर्वक रैपर निकाला। टीम का नेतृत्व कर रहे सहायक प्रोफेसर डॉ. विशाल पाटिल ने बताया कि आहार नली के निचले हिस्से में लगभग एक सेंटीमीटर का दवा रैपर फंसा हुआ था। हमने इसे सावधानीपूर्वक ट्यूब डालकर 25 मिनट में निकाला। इसका किनारा नुकीला था, जिससे अंदर कई जगह कट और घाव बन गए थे। डॉ. पाटिल ने बताया कि यदि यह रैपर और कुछ दिन रहता तो (फूड-पाइप फटना) हो सकता था, जो मरीज के लिए जानलेवा साबित होता।

लापरवाही ने बढ़ा दिया जान का खतरा

बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने कहा, यह मामला दुर्लभ होने के साथ बेहद चुनौतीपूर्ण भी था। मरीज के लक्षण बहुत साधारण लग रहे थे, लेकिन जांच में निकला कि रैपर फूड-पाइप के निचले हिस्से में फंसा था। यदि कुछ और दिन इलाज में देरी होती, तो संक्रमण बढ़कर सेप्सिस या सांस अटकने की स्थिति तक पहुंच सकता था।

एंडोस्कोपी की प्रक्रिया से बचाई जान

डॉ. पाटिल ने बताया कि एंडोस्कोपी की मदद से फूड-पाइप के अंदर कैमरे के जरिए देखा गया। रैपर को पकड़ने के लिए विशेष उपकरण का उपयोग किया गया। यह प्रक्रिया बहुत नाजुक थी क्योंकि अगर हमने जरा सी ताकत लगाई होती, तो फूड-पाइप फट सकता था। रैपर निकालने के बाद हमने मरीज को कुछ दिनों तक तरल आहार पर रखा है ताकि घाव भर सके। अब मरीज की स्थिति स्थिर है।

खुद से निकालने का ना करें प्रयास

डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि यह केस लोगों को जागरूक करने के लिए साझा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक मरीज की कहानी नहीं है, यह चेतावनी है। छोटी सी गलती जीवन पर भारी पड़ सकती है। यदि गलती से कोई चीज निगल ली जाए, तो तुरंत अस्पताल पहुंचें, घर पर निकालने का प्रयास ना करें।

प्रदेश में देसी पटाखा गन फोड़ रही बच्चों की आंखें

3 दिन में सामने आए 122 केस, सोशल मीडिया ने फैलाया क्रेज, आंख बचाना हो रहा मुश्किल

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज के नेत्र वार्ड में मंगलवार दोपहर सात साल का अलजैन दर्द से बिलख रहा था। दिवाली की रात वह दोस्तों के साथ खेलते हुए 'देसी पटाखा गन' चला रहा था, जैसे ही गन ने फायर करना बंद किया, उसने मासूम जिज्ञासा में नाल में झांका, तभी तेज धमाका हुआ और उसकी बाईं आंख झुलस गई। डॉक्टरों के मुताबिक, आंख में कार्बाइड के बारीक टुकड़े अंदर तक घुस गए थे। डेढ़ घंटे चले ऑपरेशन में उन्हें निकाल तो दिया गया, लेकिन अब भी उसकी आंख की रोशनी को

लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। अलजैन जैसे कई बच्चे इस खतरनाक 'देसी पटाखा गन' के शिकार बने हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो देखकर यह गन दिवाली का नया ट्रेंड बनी, लेकिन अब यह बच्चों की आंखों से रोशनी और परिवारों से खुशियां छीन रही है।इस गन को घरेलू तरीके से बनाया जाता है। यह 100-200 रुपए में बिक रही है।

सिर्फ साफ पानी से धोएं, बिना देर किए डॉक्टर से संपर्क करें- डॉ. रौनक अग्रवाल ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति की आंख में इस गन के कारण चोट लगी, तो उसे आंख रगड़नी नहीं चाहिए। आंख रगड़ने से कार्बाइड के कण अंदर घुस जाते हैं, जिससे स्थायी नुकसान हो सकता है। इसमें सबसे बड़ा खतरा कॉर्निया के क्षतिग्रस्त होने का है। कई केस में इमरजेंसी सर्जरी ही विकल्प बनती है। यदि कोई इस गन की चपेट में आए तो न हाथ लगाएं और न आंख साफ करने का प्रयास करें।

केस 1- गन नहीं फटी, देखा तो धमाका हो गया

भोपाल के पॉलीटेक्निक क्षेत्र में रहने वाले अलजैन की मां रेश्मा ने बताया कि यह गन हमने पटाखा मार्केट से खरीदी थी। वो चलाते-चलाते रुक गई। अलजैन ने उसकी नाल में झांका, तभी यह फट गई। आंख से खून निकलने लगा, हम घबरा गए। तुरंत उसे लेकर जीएमसी पहुंचे। डॉक्टरों ने कहा कि आंख में अंदर तक कार्बाइड के टुकड़े हैं।

केस 2- 48 घंटे बाद भी आंखों के सामने 'सफेदी'

नेत्र विभाग में भर्ती एक अन्य मरीज प्रशांत पुराने भोपाल के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने आंखों में घुसे कार्बाइड के टुकड़े हटा दिए हैं, लेकिन अब भी आंख से सिर्फ सफेद धुंध दिखाई दे रही है। प्रशांत अब साफ देख पाएंगे या नहीं इस बात को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

तीन दिन में 122 बच्चे घायल, भोपाल में सबसे ज्यादा केस

देसी पटाखा गन से आंखों के क्षतिग्रस्त होने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। 19 से 21 अक्टूबर शाम 7 बजे तक 122 मामले अलग-अलग अस्पतालों से सामने आ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा 36 केस भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में दर्ज हुए। विदिशा मेडिकल कॉलेज में 12 और सागर मेडिकल कॉलेज में 3 और इंदौर में 3 केस आए। बाकी केस भोपाल के सरकारी अस्पतालों और क्लीनिकों में दर्ज हुए हैं।

गांधी मेडिकल कॉलेज के नेत्र विभाग में डॉ. एसएस कुबरे और डॉ. अदिति दुबे समेत 5 रेजिडेंट डॉक्टरों की टीम इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात हैं। टीम से मिली जानकारी के अनुसार, इस गन से आंखों की कॉर्निया बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो रही हैं।

भोपाल में गोवर्धन पूजा पर

विधायक रामेश्वर ने पर्वत बनाकर पूजा की, महापौर ने गायों को खिलाया चारा

भोपाल (नप्र)। पांच दिन के दीपोत्सव में बुधवार को गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया गया। भोपाल में भी लोगों में खासा उत्साह है। सुबह से ही पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो गया, जो शाम तक चलेगा।

आमजनों के साथ जनप्रतिनिधि भी पूजन कर रहे हैं। हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने अपने कार्यालय युवा सदन पर विधिपूर्वक गोवर्धन महाराज का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने गौ-पूजन कर गायों को ग्रास भी अर्पित किया और प्रदेश व देश की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजन में कार्यकर्ताओं के साथ आमजनों की भी उपस्थिति रही।

गोवर्धन पर्वत की आकृति भी बनाई- विधायक ने गोबर और फूलों से गोवर्धन पर्वत की आकृति भी बनाई। इस आयोजन में बड़ी संख्या में आम लोग भी शामिल हुए। करीब एक घंटा पूजा-अर्चना के बाद गायों को चारा और फल खिलाए। विधायक रामेश्वर शर्मा ने गोवंश को चारा और फल खिलाए।महापौर मालती राय ने गौ सेवकों का सम्मान भी किया।

महापौर ने कांजी हाउस जाकर पूजा की- नगर निगम के कांजी हाउस शाहजहांनाबाद में महापौर मालती राय ने गोवर्धन पर्वत और गायों की पूजा-अर्चना की। इस दौरान गौ सेवकों का सम्मान भी किया गया। एमआईसी मेंबर आरके सिंह बघेल, मनोज राठौर आदि मौजूद थे।

प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में सिस्टम एक्टिव

इंदौर समेत 15 जिलों में पानी गिरने, गरज-चमक का अलर्ट ; आज भी ऐसा ही मौसम

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के दक्षिणी हिस्से में आंधी, बारिश और गरज-चमक का सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से दक्षिणी जिलों में मौसम बदला हुआ है। दिवाली की रात जबलपुर में तेज बारिश हुई तो मंगलवार को भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए रहे। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई।

ऐसा ही मौसम बुधवार को भी बना था। मौसम विभाग ने अलीराजपुर, धार, बड़वानी, इंदौर, खरगोन, देवास, खंडवा, हरदा, बुरहानपुर, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी और बालाघाट में हल्की बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया है। वहीं, 23, 24 और 25 अक्टूबर को भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पूर्व अरब सागर में एक निम्न दवाब क्षेत्र एक्टिव है। यह अगले 24 घंटे के दौरान अवदाब में परिवर्तित होने लगेगा। वहीं, चक्रवात की एक्टिविटी भी की है। इनका असर प्रदेश के दक्षिणी हिस्से में देखने को मिलेगा।

रात में ठंड, दिन में गर्मी का असर- हल्की बारिश, गरज-चमक और आंधी के बीच प्रदेश में रातें ठंडी भी हो गई है, लेकिन दिन गर्म है। मौसम विभाग के अनुसार, अक्टूबर में ऐसा ही मौसम रहेगा। नवंबर के दूसरे सप्ताह से तेज ठंड का दौर शुरू हो जाएगा।

अक्टूबर में ऐसा ही मौसम रहेगा

मौसम विभाग ने अक्टूबर महीने में मौसम का मिला-जुला असर रहने की संभावना जताई है। रात व सुबह हल्की ठंड है तो दिन में धूप का असर बना रहेगा।

कहीं-कहीं बारिश का अनुमान भी है, लेकिन नवंबर के दूसरे सप्ताह से तेज ठंड का दौर शुरू हो जाएगा।

भोपाल में 17.2 डिग्री पहुंचा रात का तापमान

मौसम का मिजाज बदलने से रात के तापमान में फिर गिरावट हुई है। सोमवार-मंगलवार की रात में भोपाल का न्यूनतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इंदौर में 18.6 डिग्री, ग्वालियर-उज्जैन में 19.5 डिग्री और जबलपुर में 21 डिग्री रहा। राजगढ़ में सबसे कम 15.4 डिग्री सेल्सियस रहा। दतिया, धार, गुना, खंडवा, खरगोन, पचमढ़ी, रतलाम, शिवपुरी, नौगांव, टीकमगढ़ में पारा 20 डिग्री से कम रहा।

संपादकीय

जाना 'अंग्रेजों के जमाने के जेलर' का

मशहूर कॉमेडियन गोवर्धन असरानी का इस तरह खामोशी के साथ चले जाना, इस बात का भी प्रमाण है कि अपने अभिनय से अलग छाप छोड़ने वाले इस अभिनेता की निजी जिंदगी के बारे में हम कितना कम जानते थे। यहां तक उनका असली नाम गोवर्धन है, यह भी उनके निधन के बाद ही पता चला। 84 वर्षीय असरानी कुछ दिनों से बीमार थे, लेकिन इसकी भी जानकारी कम ही लोगों को थी और उनका अंतिम संस्कार भी खामोशी से साथ हुआ। आखिरी विदाई के बाद ही इस कॉमिक अभिनेता के जाने की खबर मिली। जयपुर के एक व्यवसायी सिंधी परिवार में जन्म लेने के बावजूद असरानी ने अभिनय की अलग राह चुनी और उस पर आखिर तक चलते रहे। परिवार की माली हालत ठीक न होने से उन्होंने कुछ समय जयपुर आकाशवाणी में भी काम किया। असरानी कॉमेडियनों की उस पीढ़ी के कलाकार थे, जो द्विअर्थी संवादों के बजाए अपने अभिनय और सशक्त डायलॉग डिलीवरी से लोगों को हंसाती थी, गुदगुदाती थी। असरानी ने 1967 में आई फिल्म ' हरे कांच की चूड़ियां' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। लेकिन फिल्मों में उन्हें वास्तविक पहचान ऋषिकेष मुखर्जी निर्देशित फिल्म 'सत्यकाम' से मिली। फिर वो ह्रषि दा की फिल्म 'गुड्डी' में भी दिखे। उन्होंने सबसे ज्यादा फिल्में राजेश खन्ना के साथ कीं। हालांकि अमिताभ बच्चन के साथ भी वो कई फिल्मों में दिखे। लेकिन जिस किरदार ने उन्हें अमर कर दिया, वो था कि फिल्म 'शोले' में जेलर का रोल। उनका यह डायलॉग कि ' हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं' और 'आधे उधर जाओ, आधे इधर जाओ, बाकी मेरे पीछे आओ। आज भी लोगों को याद है। इस फिल्म में उनका गेटअप हिटलर की तर्ज पर किया गया था। रोल छोटा-सा था, लेकिन असरानी ने उसने जान डाल दी थी। यह किरदार दरअसल तानाशाही और मूर्खतापूर्ण प्रवृत्ति पर तगड़ा कटाक्ष था। जहां तक बॉलीवुड में उनके योगदान की बात है तो असरानी ने अपने जीवन काल में 350 फिल्मों में काम किया और 6 फिल्मों का निर्देशन भी किया। इस मायने में वो बहुमुखी कलाकार थे। उन्हें कुछ पुरस्कार भी मिले। उनकी आखिरी फिल्म अगले साल रिलीज होगी। असरानी ने अभिनेत्री मंजू बंसल से शादी की, जिनसे उन्हें 'आज की ताजा खबर' और 'नमक हराम' फिल्मों जैसी में एक साथ काम करते समय प्यार हो गया था। 'आज की ताजा खबर' में असरानी ने चम्पक बूमिया और अमित देसाई का किरदार निभाया, जबकि मंजू ने केसरी देसाई की भूमिका निभाई। इस भूमिका के लिए असरानी को फिल्मफेयर अवार्ड फॉर बेस्ट कॉमेडियन मिला था। इतनी शोहरत और धन अर्जित करने के बाद असरानी निजी जिंदगी को लाइमलाइट से दूर ही रखते थे। इस दृष्टि से उनकी तुलना प्रसिद्ध अभिनेता देवानंद से की जा सकती है, जिन्होंने इच्छा व्यक्त की थी कि मृत्यु के बाद उनका चेहरा किसी को न दिखाया जाए। असरानी भी दुनिया को पांच दशकों तक हंसाने के बाद अकेले ही अनंत यात्रा पर चले गए। उनके मैनेजर बाबू भाई थीबा का यह कहना गलत नहीं है कि असरानी होना आसान नहीं है। वे कहते थे कि अपनी अंतिम विदाई में वे एक आम आदमी की तरह जाना चाहते हैं। उन्होंने सारी जिंदगी शांति और सुकून से जी। मौत भी वैसी ही चाहते हैं। आज फिल्मों में कॉमेडी का स्वरूप बदल गया है। सोशल मीडिया ने तो कॉमेडी को और निम्नस्तरीय बना दिया है। गिरावट के इस दौर में असरानी जैसे कॉमेडियनों की कॉमेडी बहुत सौम्य और शालीन लगती है। दुनिया में हंसने-हंसाने वाले कलाकार तो और भी आते रहेंगे, लेकिन असरानी जैसा कलाकार शायद दूसरा न होगा। उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि।

नजरिया

अंशुमान

लेखक संसद टीवी से सम्बद्ध पत्रकार हैं।

भारत-इज़राइल साझेदारी नई रणनीतिक धुरी

इज़राइल के क़रीब मौजूदा तनाव ने भारत-इज़राइल रणनीतिक साझेदारी के विकास को एक अभूतपूर्व गति प्रदान की है। जो रिश्ता कभी सिर्फ़ हथियारों की ख़रीद और सप्लाई तक सीमित था, अब एक गहरी, भरोसेमंद और रणनीतिक साझेदारी में बदल चुका है। यह बदलाव सुरक्षा चुनौतियों की साझा समझ, गहन तकनीकी सह-विकास और द्विपक्षीय विश्वास की मज़बूत नींव पर आधारित है, जो इसे क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक लीडिंग फोर्स के रूप में स्थापित करता है। यह मूलभूत बदलाव मात्र सैद्धांतिक नहीं है, बल्कि ज़मीनी तौर पर भी दिखाई देता है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने भारत और इज़राइल की साझेदारी को पहले से कहीं ज़्यादा मज़बूती और स्थिरता दी है। ख़ासकर इज़राइल और ईरान के मध्य उत्पन्न हुए तनाव ने भारत और इज़राइल के पहले से ही विकसित हो रहे रक्षा संबंधों को एक अभूतपूर्व मजबूती और स्थिरता प्रदान की है। दोनों के बीच संबंध अब महज व्यापार के पारंपरिक ढाँचे तक सीमित नहीं रहे, बल्कि ये एक परिष्कृत, बहुआयामी, रणनीतिक और सामरिक रूप से महत्वपूर्ण गठबंधन का रूप ले चुका है, जिसकी पहचान साझा सुरक्षा दृष्टिकोण और अटूट आपसी विश्वास से तय होती है। यह साझेदारी सिर्फ विचारों तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी अनुसंधान, कूटनीतिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर दोनों देशों की ठोस और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता में दिखाई देती है।

इज़राइल के क़रीब मौजूदा तनाव ने भारत-इज़राइल रणनीतिक साझेदारी के विकास को एक अभूतपूर्व गति प्रदान की है। जो रिश्ता कभी सिर्फ़ हथियारों की ख़रीद और सप्लाई तक सीमित था, अब एक गहरी, भरोसेमंद और रणनीतिक साझेदारी में बदल चुका है। यह बदलाव सुरक्षा चुनौतियों की साझा समझ, गहन तकनीकी सह-विकास और द्विपक्षीय विश्वास की मज़बूत नींव पर आधारित है, जो इसे क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक लीडिंग फोर्स के रूप में स्थापित करता है। यह मूलभूत बदलाव मात्र सैद्धांतिक नहीं है, बल्कि ज़मीनी तौर पर भी दिखाई देता है। हम डिफेंस से जुड़ी महत्वपूर्ण और नई पीढ़ी की तकनीकी से जुड़ी साझा रिसर्च एवं उनके डेवलपमेंट में जुटे हैं। तो वहीं अस्थिरता से भरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता को मज़बूत बनाए रखने की द्विपक्षीय, दृढ़ प्रतिबद्धता के भी साक्षी हैं। इज़राइल के आस-पास के हालातों ने दोनों देशों को और क़रीब ला दिया है। अब भारत और इज़राइल सिर्फ़ रक्षा सौदों तक सीमित नहीं हैं बल्कि दोनों देश तकनीक, इंटेलिजेंस और रिसर्च में साथ काम कर रहे हैं। दोनों देशों ने मिलकर कई आधुनिक रक्षा तकनीकें बनाई हैं और दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए एक साझा प्रतिबद्धता दिखाई है।

16 जून 2025 को जब ईरान ने इजराइल पर ड्रोन हमले किए और इज़राइली नौसेना ने उन्हें सफलतापूर्वक रोका तो इसमें बराक एयर डिफेंस सिस्टम की भी अहम भूमिका थी। यह सिस्टम भारत और इज़राइल ने मिलकर बनाया था। पहली बार था जब इसे असली युद्ध में इस्तेमाल किया गया, जहां इसने खुद को साबित भी किया। यह दिखाता है कि दोनों देशों का सहयोग अब नतीजे भी दे रहा है। इस क्षेत्रीय तनाव के बीच भारत की प्रतिक्रिया उसकी संतुलित और दूरदर्शी विदेश नीति को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करते हुए संयम बरतने और क्षेत्रीय शांति बनाए रखने की भी अपील की। यह दर्शाता है कि भारत कैसे इज़रायल और ईरान दोनों के

साथ अपने संबंधों को संतुलन में रखते हुए शांति के पक्ष में खड़ा है।

क्षेत्रीय तनाव बढ़ने पर भारत की कूटनीति संतुलित और दूरदर्शी रही। जब इज़राइल ने जवाबी कार्रवाई की, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इज़राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू से बात की। उन्होंने इज़राइल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया, लेकिन साथ ही संयम बरतने और तनाव कम करने की अपील भी की। यह भारत की 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को दर्शाता है जहां सभी को एक परिवार की तरह देखा जाता है। भारत ने इज़राइल और ईरान दोनों के साथ अपने रिश्तों को सावधानी से संभाला है। यही रणनीतिक संतुलन भारत की आज़ाद और आत्मनिर्भर विदेश नीति को मज़बूत बनाता है। एक तरफ जहाँ भारत के अपने विविध सामरिक और आर्थिक हित दाँव पर है वहीं हालिया क्षेत्रीय तनावों ने भारत और इज़राइल के रक्षा सहयोग को केवल हथियारों की ख़रीद-फरोख्त की पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकालकर, व्यापक तकनीकी एकीकरण की दिशा में भी आगे बढ़ने को मजबूर किया है। अब यह रिश्ता सिर्फ़ हथियारों की ख़रीद तक सीमित नहीं है। 2021 में बनी ज्वाइंट फोर्स इनिशिएटिव के तहत दोनों देश मिलकर एक लंबी अवधि की रक्षा रणनीति पर काम कर रहे हैं। 2021 में स्थापित ज्वाइंट फोर्स ने कई दशकों तक चलने वाली एक विस्तृत डिफेंस स्ट्रीटजी को आकार देना शुरू कर दिया है। इस दूरदर्शी रणनीति का मुख्य उद्देश्य गहन प्रौद्योगिकी साझाकरण के माध्यम से पारस्परिक नये प्रयोग और उन्नति को बढ़ावा देना है, जिसके साथ ही यह संयुक्त सैन्य अभ्यासों के द्वारा दोनों सेनाओं के बीच सामरिक तालमेल और परिचालन क्षमता को मज़बूत करने पर भी केंद्रित है। इसके अतिरिक्त, यह साझेदारी हाइब्रिड युद्ध, साइबर डोमेन और अंतरिक्ष खतरों जैसी उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सक्रिय रूप से समाधान करने और उनके लिए समन्वित तैयारी करने की दिशा में भी काम कर रही है, जो इसे एक प्रतिक्रियाशील मॉडल से बढ़कर एक भविष्योन्मुख गठबंधन बनाती है। इस साझेदारी का एक ठोस और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण परिणाम भारत के 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में इज़राइल की सक्रियता भले ही दोनों देशों के बीच दूरी ज़्यादा है, लेकिन दोनों की सुरक्षा चिंताएं और लक्ष्य एक जैसे हैं। अब भारत और इज़राइल एआई, रोबोटिक्स और स्वायत्त प्रणालियों जैसी भविष्य की तकनीकों पर साथ काम कर रहे हैं। हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की आक्रामक उपस्थिति और समुद्री लुटेरों के बढ़ते खतरों जैसी चुनौतियों को देखते हुए, नौसेना सहयोग का गहन होना बेहद जरूरी है। जी22 समूह के सदस्य के रूप में, दोनों देशों के हित समुद्री सुरक्षा, उन्नत प्रौद्योगिकी और आतंकवाद-रोधी प्रयासों में मिलते हैं। इज़राइल द्वारा प्रदान किए जाने वाले एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण और अत्याधुनिक अंडरवाटर ड्रोन भारत की नौसैनिक क्षमताओं और एंटी-सबमरीन युद्ध दक्षता को निर्णायक रूप से अभूतपूर्व मज़बूती प्रदान करेंगे। ये एक ऐसा गठबंधन है जहां इज़राइल की तकनीकी विशेषज्ञता और अनुभव है और दूसरी तरफ़ भारत की बढ़ती औद्योगिक क्षमता और ये दोनों मिलकर एक मज़बूत अटूट सामरिक शक्ति का निर्माण करते हैं। इस साझेदारी का विस्तार अब सामरिक आपूर्ति से आगे निकलकर रणनीतिक स्वदेशीकरण की ओर हो चुका है। 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में इज़राइल की सक्रिय भागीदारी रक्षा औद्योगिक आधार को मज़बूत करती है और बाहरी आपूर्ति पर निर्भरता कम करके उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता को बढ़ाती है। इसके अलावा 2021 के दूरदर्शी समझौते के तहत, दोनों देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और स्वायत्त प्रणालियों जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर भी मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो भारत-इजराइल की सामरिक और रणनीतिक साझेदारी को वैश्विक पटल पर एक अलग आयाम देगा।

आज जब वैश्विक शक्ति-संतुलन बदल रहा है, भारत-इज़राइल साझेदारी एक नई रणनीतिक धुरी बनकर उभरी है। इज़राइल की तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की औद्योगिक व सामरिक ताकत मिलकर एक नए सुरक्षा ढांचे को जन्म दे रही है। यह साझेदारी अब सिर्फ़ दो देशों के बीच का रिश्ता नहीं रही- यह इंडो-पैसिफिक से लेकर मिडिल ईस्ट तक की सुरक्षा व्यवस्था को आकार देने वाली एक अहम ताकत बन चुकी है।

सामयिक

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

उत्सव की भीड़ में खोया आम आदमी

भारत वह देश है जहाँ संस्कृति, परंपरा और जीवन मूल्य एक-दूसरे में रचे-बसे हैं। यहाँ त्योहार केवल आनंद या उत्सव का अवसर नहीं होते, बल्कि यह सामाजिक एकता, पारिवारिक स्नेह और मानवीय संबंधों की गहराई को दर्शाते हैं। दीपावली, छठ, होली या रक्षाबंधन जैसे पर्वों में केवल घरों में दीप्र जलाने या मिठाइयाँ बाँटने की परंपरा नहीं है, बल्कि इन अवसरों पर देश के कोने-कोने में बिखरे परिवार एक साथ आने की कोशिश करते हैं। परंतु, आधुनिक भारत की चमक-दमक और विकास की रफ्तार के बीच एक ऐसा वर्ग भी है, जो हर साल इन पर्वों पर अपनों के पास लौटने की आस में संघर्ष करता है, यह वर्ग है हमारे देश के प्रवासी मजदूरों, कामगारों और निम्नवर्गीय श्रमिकों का, जो शहरों की चमक के पीछे अपनी जड़ें गाँवों में छोड़ आए हैं।

त्योहारों का समय आते ही यह वर्ग अपने गाँव लौटने की तैयारी करता है। रेलवे स्टेशन और बस अड्डे मानो किसी युद्धभूमि में बदल जाते हैं। लाखों प्रवासी मजदूर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, सूरत और बेंगलुरु जैसे औद्योगिक शहरों से अपने गाँव बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश की ओर लौटने के लिए निकल पड़ते हैं। इनकी आँखों में घर की मिट्टी की खुशबू बस जाती है, माँ की आँखों में बेटे के लौटने की चमक, और बच्चों के दिलों में उपहारों का सपना। लेकिन इन भावनाओं की राह में टिकट, ट्रेन और व्यवस्थाओं की कठिनाइयाँ दीवार बनकर खड़ी हो जाती हैं।

त्योहारों के दौरान भारतीय रेल का दृश्य किसी फिल्मी दृश्य से कम नहीं होता। प्लेटफॉर्म पर लंबी कतारें, टिकट खिड़कियों पर उमड़ती भीड़, और ट्रेन के दरवाज़ों पर लटकते यात्री, यह सब उस दर्द का प्रतीक है जो विकास की रफ्तार में पीछे छूटे इन चेहरों ने झेला है। रेलवे मंत्रालय हर साल त्योहारों के समय विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा करता है, लेकिन फिर भी स्थिति में बहुत सुधार नहीं हो पाता। कारण यह है कि भारत में प्रवासी मजदूरों की संख्या करोड़ों में है, जबकि रेलवे ढांचा अभी भी दशकों पुरानी सीमाओं से बँधा हुआ है। टिकट बुकिंग ऑनलाइन होने के बावजूद, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले या कम शिक्षित मजदूरों के लिए यह सुविधा एक पहेली बन जाती है। परिणामस्वरूप, वे दलालों और एजेंटों के शिकार हो जाते हैं, और अधिक पैसे देकर भी टिकट पाने में असफल रहते हैं।

जिन्हें टिकट मिल जाता है, उनकी यात्रा भी किसी परीक्षा से कम नहीं होती। जनरल डिब्बों में इतनी भीड़ होती है कि यात्री न तो ठीक से बैठ पाते हैं, न सो सकते हैं, और न ही यात्रा के दौरान आवश्यक सुविधाएँ मिल पाती हैं। घंटों-घंटों खड़े रहना, धक्कामुक्की झेलना, और भीड़ में दम घुटना, यह सब उनके हिस्से का 'त्योहार' बन जाता है। जिनके पास पैसे हैं, वे तो एसी कोच में सफर करते हैं, परंतु जिनकी मेहनत से शहरों की इमारतें खड़ी होती हैं, वे बिना सीट, बिना हवा और बिना पानी के सफर करते हैं। यह दृश्य भारत के विकास के मॉडल पर एक गहरा प्रश्नचिह्न लगाता है।

वास्तविकता यह है कि इस स्थिति का कारण केवल भीड़ नहीं है, बल्कि हमारे विकास मॉडल की दिशा भी है। देश में स्मार्ट सिटी, एक्सप्रेसवे और मेट्रो जैसी परियोजनाएँ तो तेजी से आगे बढ़ रही हैं, परंतु रेलवे, जो आमजन की जीवनरेखा है, अब भी अपने पुराने ढाँचे से जूझ रही है। गाँवों से शहरों की ओर पलायन लगातार बढ़ रहा है, परंतु सरकार की योजनाएँ इस बढ़ते प्रवाह को देखते हुए परिवहन, आवास और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में पर्याप्त नहीं त्योहारों की यह भीड़ हमें यह भी दिखाती है कि विकास की दौड़ में गाँव, कस्बे और ग्रामीण समाज किस प्रकार पीछे छूट रहे हैं। जिन मजदूरों की मेहनत से शहरों की अर्थव्यवस्था चलती है, वही मजदूर जब अपने गाँव लौटना चाहते हैं तो उन्हें रेल की पटरियों पर लटककर यात्रा करनी पड़ती है। यह केवल एक यातायात समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता की गहरी झलक है। गाँवों में रोजगार के अवसरों की कमी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की अनुपलब्धता ने इन लोगों को मजबूर किया है कि वे रोज़ी-रोटी के लिए शहरों का रुख करें। लेकिन जब वे शहरों की रौनक बनते हैं, तब भी उनके हिस्से में सुरक्षा और सम्मान नहीं आता।

त्योहारों के दौरान यह असमानता और अधिक स्पष्ट हो जाती है। रेल टिकट की कमी, स्टेशन पर लंबी कतारें, भीड़ में कुचलने जैसी घटनाएँ, यह सब उस असंतुलित विकास की कहानी कहती हैं जहाँ सुविधाएँ कुछ वर्गों तक सिमटकर रह गई हैं। भारत जैसे विशाल देश में, जहाँ आबादी का बड़ा हिस्सा अब भी निम्न और मध्यम वर्ग से है, वहाँ विकास का अर्थ केवल मेट्रो शहरों की उन्नति नहीं हो सकता। विकास तभी सार्थक होगा जब एक साधारण मजदूर भी अपने गाँव जा सके, बिना किसी अपमान या कठिनाई के, और अपने परिवार के साथ त्योहार मना सके।

यह भीड़ केवल रेलवे की अक्षमता नहीं दर्शाती, बल्कि यह नीति-निर्माताओं की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाती है। सरकारें चाहे केंद्र की हों या राज्य की, वे चुनावी वादों में गरीबों के कल्याण की बातें तो करती हैं, परंतु वास्तविक नीति-क्रियान्वयन में यह वर्ग कहीं पीछे रह जाता है। अगर रेलवे और बस परिवहन में उचित सुधार हो, समय से ट्रेनें चलें, और टिकट प्रणाली पारदर्शी व सुलभ बने, तो यह समस्या काफी हद तक हल हो सकती है।

लेकिन इस विषय का एक नैतिक और मानवीय पहलू भी है। त्योहारों की इस भीड़ में हम सबको यह समझना होगा कि विकास केवल इमारतों, सड़कों और तकनीक से नहीं मापा जा सकता। असली विकास तब होगा जब हर वर्ग के चेहरे पर समान मुस्कान होगी, जब कोई माँ अपने बेटे के आने की राह में आँसू न बहाए, जब कोई पिता अपने बच्चों के लिए लाए उपहार को लेकर स्टेशन की भीड़ में न खो जाए। सामाजिक विकास का अर्थ है समावेशिता, जहाँ हर व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान मिले।

इससे निदान पाने के लिए सरकार को चाहिए कि वह रेलवे नेटवर्क को आधुनिक बनाने के साथ-साथ प्रवासी श्रमिकों के लिए विशेष सुविधाएँ विकसित करे। भीड़भाड़ वाले रूटों पर स्थायी अतिरिक्त ट्रेनों का प्रावधान, टिकट बुकिंग में प्राथमिकता प्रणाली, और ग्रामीण यात्रियों के लिए डिजिटल सहायता केंद्र स्थापित किए जाएँ। साथ ही, उद्योगों और कंपनियों को भी सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत अपने कर्मचारियों की यात्रा व आवास संबंधी व्यवस्थाएँ त्योहारों के समय सुनिश्चित करनी चाहिए।

इस तरह से हम कह सकतें हैं कि त्योहारों की भीड़ केवल भीड़ नहीं, बल्कि यह हमारे समाज का दर्पण है। इसमें झलकता है वह वर्ग, जो हर दिन मेहनत करता है, शहरों को रोशन करता है, परंतु अपने जीवन में अंधकार से लड़ता रहता है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि भारत का विकास तब तक अधूरा रहेगा जब तक इस मेहनतकश वर्ग की तकलीफें कम नहीं होतीं। त्योहारों के इस मौसम में हमें केवल दीप जलाने की नहीं, बल्कि समानता और संवेदना की रोशनी फैलाने की भी आवश्यकता है। तभी हम कह सकेंगे कि भारत सचमुच प्रगति कर रहा है, न केवल आर्थिक रूप से, बल्कि मानवीय दृष्टि से भी।

डॉ. अल्पना तिवारीः सेवा का सफ़रनामा

व्यक्तित्व

विजय जोशी

लेखक भेल भोपाल के पूर्व ग्रुप महाप्रबंधक हैं।

परहित बस जिन्ह के मन माहीं
तिन्ह कहूं जग दुर्लभ कुछ नाहीं

सृजन की निरंतरता के क्रम में ईश्वर के मन में यह चाह अवश्य रही होगी कि उसके सुंदरतम सृजन अर्थात मानव की सुरक्षा का भार कौन उठा पाएगा। संभवतः यही कारण रहा होगा धरती पर डॉक्टर समुदाय के आगमन का। यह पेशा या प्रोफेशन न होकर पावन मिशन है बशर्ते समुदाय के हर एक के जेहन में उतर सके। पर इस कलियुगी दौर में यह कठिन ही है। और ऐसे में यदि आपका साक्षात्कार हो जाए किसी सेवा समर्पित शख्सियत से तो बात अपने आप में अद्भुत हो जाती है। सो भेल की चिकित्सा सेवा प्रमुख डॉ. अल्पना तिवारी के योगदान की एक बानगी :

1) संवेदनशीलता से समाधान : योग्यता या क्षमता आवश्यक है, लेकिन उसके पूर्व है संवेदनशीलता युक्त जुड़ाव जो न केवल रोगी को आत्मविश्वास प्रदान करता है अपितु आधी बीमारी हर लेता है। तमाम व्यस्तताओं के मध्य भी इनकी प्राथमिकता सदैव रही अपने मिशन रूपी प्रोफेशन में समाहित जज़्बा, जज़्बात और जुनून। अनुभव और योग्यता तो आरम्भ से व्यक्तित्व में रची बसी। खास बात तो यह कि इनकी प्रतिष्ठा पद से नहीं, बल्कि पद की प्रतिष्ठा में इनके कारण अभिवृद्धि ही हुई, गो इन्होंने इस पर गुरूर कभी नहीं किया।

बड़े बड़ाई ना करैं बड़े न बोलें बोल
हीरा मुख से कब कहै लाख टका मेरो मोल

2) कोरोना काल : त्रासदी के उस संक्रमण काल जब सब खुद की जान बचाने में सिमट गए थे डॉ. अल्पना ने महिला होने की पारिवारिक जिम्मेदारियों के बावजूद इस जोखिम युक्त त्रासदी से भेलकर्मियों एवं परिजनों की रक्षा का दायित्व आगे बढ़कर अपने कंधों पर स्वीकारा और अपनी जान पर खेलकर लोगों के प्राणों की रक्षा की। महिला डॉक्टर द्वारा सेवा समर्पित संस्कार का यह एकमात्र उदाहरण है।

जो दुःखों में मुस्कुरा दिया वो तो इक गुलाब बन गया
दूसरों के हक़ में जो मिटा प्यार की किताब बन गया

3) उपनगरीय चिकित्सा केंद्र : निकट बस्ती निवासी लोगों की मुख्य चिकित्सालय चक्कर से निवृत्ति हेतु भेल उपनगरीय डिस्पेंसरियों का न केवल पुनर्जीवन किया, अपितु इलाज हेतु भेल के पूर्व अनुभवी डॉक्टर तथा दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित की।

4) गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) : उच्च प्रबंधन के सहयोग से सुविधाओं का विश्वस्तरीय नवीनीकरण करते हुए भेलकर्मियों का अपने ही अस्पताल में इलाज सुनिश्चित। साथ ही निजी अस्पतालों की लूटमार से संरक्षण कर कम्पनी के खर्च में कटौती।

5) स्वास्थ्य सुरक्षा व्याख्यानमाला : 'इलाज से बेहतर है रोकथाम' की भावना को चरितार्थ करते हुए कस्तूरबा अस्पताल में बीमारी पूर्व रोग की रोकथाम समर्पित जानकारी की सहभागिता का प्रशंसनीय प्रयास। शब्दों की भी एक सीमा होती है। उपरोक्त इनके निष्काम कर्म के मात्र कुछ ही योगदान हैं। ऐसे व्यक्तित्व वर्णन से परे होते हैं और आगत पीढ़ी के लिये प्रेरणा। आइये इन पलों में ऐसी नारी शक्ति को प्रणाम करें।

एक स्वरूप में समा गईं किस भांति सारी सिद्धियां
कब था ज्ञान हमें इतनी सुंदर होती हैं उपलब्धियां।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुधीर नायक

लेखक ट्रेड यूनियन लीडर हैं।

पुरस्कार के लिए फुसकार

मेरे जो भी मित्र किसी न किसी पुरस्कार की जुगाड़ में लगे हुए हैं उन सबसे मैं आज खुले हृदय से निःशर्त माफी मांगता हूं।मेरी आंखें खुल चुकी हैं।अब मुझे अपनी ग़लती का भान हो रहा है।मैं उन्हें लताड़ता था। बुरा भला कहता था।पुरस्कारों को तुच्छ बताता था। उन्हें काम पर फोकस होने का उपदेश देता था। वह मेरी ग़लती थी।मेरी नासमझी थी।

अब देखिए,अमेरिका में खरबपति बहुत हुए।अमेरिका में राष्ट्रपति भी बहुत हुए।पर ऐसा आदमी जो दो दो तरह का पति हो-खरबपति भी हो और राष्ट्रपति भी हो।ऐसे लोग शायद एक दो ही हुए होंगे।और फिर खरबपति भी अपने यहां के रुपए वाला खरबपति नहीं,डॉलर वाला खरबपति। आप सौ का गुणा करके देख लीजिए। उसके लिए अपने यहां अभी कोई शब्द ही नहीं है।और ऐसा डबल पति इंसान भी पुरस्कार के लिए मचल रहा है तो फिर वे मेरे सारे मित्र कौन सा ग़लत काम कर रहे हैं? वे तो बेचारे सही मायने में पूछो तो गृहपति भी नहीं हैं। गृहसेवक हैं। और अरब खरब की तो बात ही छोड़िए।लाख पचास हजार की भी जरूरत पड़ जाये तो पर्सनल लोन लेना पड़ता है। अब यदि वे पुरस्कार के पीछे दौड़ रहे हैं तो उसमें बुराई क्या है? हम उनके आभारी हैं। उन्होंने पुरस्कार की गरिमा बढ़ा दी।उन्होंने पूरे विश्व को यह बताया कि पद से बड़ा है पुरस्कार।वैसे भी पद में केवल दो ही अक्षर हैं।ढ़ाई भी नहीं हैं। आधा कम है। ढ़ाई भी होते तो बकौल कबीर साहब सारे पद वाले पंडित हो जाते। पुरस्कार में साढ़े चार अक्षर हैं। पुरस्कार पद से दोगुने से भी ज्यादा है। पद स्टार्टर है तो पुरस्कार भोजन। पद पुरस्कार की भूख बढ़ा देता है।

गनीमत है,उन्होंने शांति का पुरस्कार मांगा साहित्य का नहीं मांगा। सारे विश्व के साहित्यकारों को उनका अहसानमंद होना चाहिए। वे साहित्य का भी मांग सकते थे।वे अपनी पासबुक दिखा देते।कहते यह भी तो बुक है। हमें इस पर नोबेल पुरस्कार मिलना बनता है।बुक वाले पीछे रह जाते। पासबुक बुक से बड़ी होती है। खैर,वे शांति के नोबेल पुरस्कार लायक तो थे। नोबेल वाले चूक गये।ऐसे सुपात्र को छोड़ दिया। नोबेल पुरस्कार वालों को अब अपना चार्टर सुधार लेना चाहिए। शांति का नोबेल ऐसे लोगों को भी दिया जाना चाहिए जो नोबेल पाकर खुद शांत हो जायें। वे शांत रहें यह भी उनका बड़ा योगदान होगा। उनके उपद्रवों से विश्व को शांति मिल जाए। पुरस्कार से उनकी फुसकार बंद हो सकती थी।

लेकिन दूसरी तरफ मुझे यह भी लगता है कि नोबेल कमेटी वालों ने भीड़ कम की होगी।हमने जब उन्हें नहीं दिया तो तुम कहां लगते हो? कई छुटभैये छंट जायेंगे।नहीं तो कोई भी मुंह उठाये चला आता कि उन्हें दिया है तो हमें भी दो। हमने भी तो लड़ाई ठनवायी थी और फिर रुकवायी भी हमने ही थी। शांति के पुरस्कार के चक्कर में अशांति फैलाने लगते लोग।

भाई दूज पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

रिश्तों की रोशनी में बहन के स्नेह का दीप

भाई दूज का पर्व केवल एक तिलक या उपहार का आदान-प्रदान नहीं बल्कि भावनाओं का उत्सव है। इस दिन बहनें अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसकी दीर्घायु, सुख, समृद्धि और यमराज के भय से मुक्ति की कामना करती हैं। कहा जाता है कि जो भाई इस दिन अपनी बहन के घर जाकर उसके हाथों तिलक करवाता है, वह यम के प्रकोप से सुरक्षित रहता है। यह पर्व इसलिए भी अद्वितीय है क्योंकि इसमें प्रेम, श्रद्धा, कर्तव्य और संवेदना का गहन मेल है, यह भाई की रक्षा और बहन की श्रद्धा दोनों का संगम है।

भारतीय संस्कृति में जितना आदर और पवित्रता भाई-बहन के संबंध को मिली है, उतनी किसी और रिश्ते को नहीं। स्नेह, विश्वास, समर्पण और रक्षा की डोर से बंधा यह बंधन हमारी सभ्यता का अद्भुत प्रतीक है। इसी बंधन को और गहराई देने वाला पर्व है 'भाई दूज', जिसे यम द्वितीया या भ्रातृ द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। पंचांग के अनुसार इस वर्ष कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि 22 अक्टूबर को रात्रि 8 बजकर 17 मिनट से आरंभ होकर 23 अक्टूबर को रात्रि 10 बजकर 47 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार भाई दूज का पर्व 23 अक्टूबर को मनाना शास्त्र सम्मत है। शुभ मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 5 मिनट से लेकर 2 बजकर 54 मिनट तक रहेगा और यही समय भाई-बहन के इस पावन अनुष्ठान का सर्वश्रेष्ठ काल है।

भाई दूज का पर्व केवल एक तिलक या उपहार का आदान-प्रदान नहीं बल्कि भावनाओं का उत्सव है। इस दिन बहनें अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसकी दीर्घायु, सुख, समृद्धि और यमराज के भय से मुक्ति की कामना करती हैं। कहा जाता है कि जो भाई इस दिन अपनी बहन के घर जाकर उसके हाथों तिलक करवाता है, वह यम के प्रकोप से सुरक्षित रहता है। यह पर्व इसलिए भी अद्वितीय है क्योंकि इसमें प्रेम, श्रद्धा, कर्तव्य और संवेदना का गहन मेल है, यह भाई की रक्षा और बहन की श्रद्धा दोनों का संगम है। भाई दूज का उल्लेख स्कंद पुराण और ब्रह्मवैवर्त पुराण जैसे ग्रंथों में मिलता है। इन पुराणों के अनुसार यह पर्व रक्षाबंधन से भी प्राचीन है।

इसकी उत्पत्ति के पीछे जो कथा है, वह न केवल धार्मिक है बल्कि जीवन के गहरे मानवीय मूल्यों का प्रतीक भी है। मान्यता है कि भगवान सूर्यदेव और छाया देवी के दो संताने हुई, यमराज और यमुना। यमुना अपने भाई यमराज से अत्यंत स्नेह करती थी। वह बार-बार उन्हें अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित करती परंतु यमराज, जो मृत्यु के अधिपति थे, सदा अपने कार्यों में व्यस्त रहने का बहाना बनाकर आने से कतराते रहे। अंततः एक दिन कार्तिक शुक्ल द्वितीया को उन्होंने सोचा कि बहन का प्रेम निष्कपट है और उसके स्नेह को ठुकराना अनुचित होगा। यमराज जब यमुना के घर पहुंचे तो बहन का हृदय आनंद से भर उठा। उसने अपने भाई का बड़े प्रेम से स्वागत किया, पवित्र स्नान कराया और स्वादिष्ट व्यंजन परोसे। बहन के प्रेम और आतिथ्य से यमराज इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने वरदान देने की बात कही। यमुना ने विनम्र भाव से कहा, 'हे भ्राता! यदि आप मुझसे प्रसन्न हैं तो वचन दीजिए कि आज के दिन जो भी बहन अपने भाई को तिलक लगाएगी और भोजन कराएगी, उसके भाई को कभी आपका भय न होगा।' यमराज ने यह वरदान स्वीकार कर लिया। तभी से यह पावन पर्व यम द्वितीया या भाई दूज के रूप में मनाया जाने लगा। कहते हैं,

उस दिन यमराज ने अपनी बहन यमुना को अमरत्व का आशीष दिया और यमुना नदी के जल में स्नान का महत्व इसी कथा से जुड़ा है। इसीलिए आज भी अनेक स्थानों पर भाई-बहन यमुना या अन्य पवित्र नदियों में साथ स्नान करते हैं। यह स्नान आत्मीयता की शुद्धि का प्रतीक है। इसीलिए कहा गया 'सबकी बहन हो यमुना जैसी'। यमुना का स्नेह केवल अपने भाई तक सीमित नहीं रहा, वह हर उस संबंध की प्रतीक बन गई, जो प्रेम, विश्वास और श्रद्धा पर आधारित हो। भाई दूज की महिमा केवल एक कथा तक सीमित नहीं है। भारतीय लोक परंपराओं में इससे जुड़ी अनेक कथाएं मिलती हैं, जो बहन के निस्वार्थ प्रेम और त्याग की मिसाल प्रस्तुत करती हैं। ये कथाएं केवल लोककथा नहीं बल्कि उस भाव की प्रतीक हैं, जिसमें बहन अपने भाई की सुरक्षा के लिए सब कुछ त्याग सकती है। इसी भावना का प्रतीक है भाई दूज।

आज जब आधुनिकता के प्रभाव में रिश्ते औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं, भाई दूज जैसे पर्व हमें अपने मूल्यों की याद दिलाते हैं और पूरे समाज को संदेश देते हैं कि संबंध केवल सोशल मीडिया की शुभकामनाओं से नहीं बल्कि हृदय की निष्ठा से निभाए जाते हैं। भाई जब बहन के घर जाकर उसके हाथों से तिलक करवाता है तो वह केवल परंपरा नहीं निभा रहा होता बल्कि एक वचन दे रहा होता है, सम्मान का, सुरक्षा का, और साथ निभाने का। इस दिन का धार्मिक पक्ष भी उतना ही गहरा है, जितना सांस्कृतिक। तिलक लगाने में प्रयुक्त रोली, चावल, दीपक और मिठाई, ये सब प्रतीक हैं शुभता, सौभाग्य और मधुरता के। तिलक जहां दीर्घायु और विजय का प्रतीक है, वहीं दीपक जीवन में प्रकाश फैलाने का। इस दिन का भोजन, उपहार और हंसी-ठिठोली रिश्तों में नई ऊर्जा भरते हैं। यह पर्व बताता है कि नारी के प्रेम और ममता की कोई सीमा नहीं होती। वह केवल एक परिवार की सदस्य नहीं बल्कि समाज की आत्मा होती है। उसके स्नेह से ही समाज में संतुलन और संवेदना बनी रहती है। इसीलिए भाई दूज का पर्व केवल बहन के घर तक सीमित नहीं, यह पूरे समाज में प्रेम, कर्त्तव्य और एकता का संदेश फैलाता है।

कुल मिलाकर, भाई दूज हमें यह स्मरण कराता है कि रिश्तों की नींव स्नेह, विश्वास और समर्पण पर ही टिकी होती है। इस पर्व का मूल संदेश यही है कि भले ही समय बदल जाए पर हमारे संस्कार, प्रेम और पारिवारिक मर्यादाएं कभी नहीं बदलनी चाहिए। भाई दूज का सच्चा अर्थ यही है कि प्रेम का उजास हर हृदय में बना रहे, हर संबंध में यमुना जैसी पवित्रता बहती रहे और हर भाई अपनी बहन के सम्मान और सुरक्षा का प्रहरी बनकर रहे। जब तक बहनें यमुना जैसी निर्मल रहेंगी और भाई यमराज की तरह वचन निभाने वाले रहेंगे, तब तक समाज में रिश्तों का यह पवित्र दीप सदा जलता रहेगा। यही भाई दूज का अमर संदेश है, प्रेम से बड़ा कोई धर्म नहीं और संबंधों से सुंदर कोई पूजा नहीं।

कृषि-व्यापार

अरविंद सरदाना

लेखक एकलव्य फाउंडेशन के पूर्व निर्देशक हैं।

भावांतर- सोया पर व्यापार नीति का आकलन जरूरी

आज की महंगाई और सामाजिक विद्वेष के वातावरण में लोग त्योहार मना कहां पा रहे हैं; बल्कि वे मात्र त्योहार के व्यवहार तक ही सीमित रह गए हैं। पड़ोसी की दिवाली मनाए जाने के तरीके को अपने में ढालने के चक्कर में पड़ोसी के बच्चे का मन कुंठित हो रहा है; बिना पेंशन पाने वाले मर-मर कर जी रहे हैं, नौकरियाँ हैं नहीं, मगर पिता क्या करें सामान लाना ही पड़ेगा, क्योंकि त्योहार का व्यवहार भी तो निभाना ही पड़ेगा।

प्रदेश सरकार ने हाल ही में घोषणा की है कि किसानों को सोयाबीन फसल का समर्थन मूल्य, भावान्तर स्कीम से दिया जायेगा। परन्तु इसके नियम और मापदंड से उठे कई सवालों के जवाब बाकी हैं। यह कहा गया है कि नीलामी का भाव मॉडल भाव या उससे ऊपर होना चाहिए। किन्तु इसमें यह नहीं पता कि कौन सा मॉडल भाव लागू होगा? मॉडल भाव, यानी वह भाव जिस पर सब से ज़्यादा बार बोली लगी हो। मंडी हर दिन मॉडल भाव प्रकाशित करती है। मानो आज एक किसान मंडी में सोयाबीन बेचने जाता है और उसकी सोयाबीन की नीलामी 3900 रूपए प्रति क्विंटल पर होती है। उस दिन का मोडल भाव शाम को ही प्रकाशित होगा। अतः उसे नहीं पता चलेगा की उसका सोयाबीन मॉडल भाव से कम पर बिका या अधिक पर। मानो मोडल भाव 4000 रूपए निकला तो यह किसान स्कीम से बाहर हो जायेगा। किसान को नीलामी से पहले जानकारी होनी चाहिए कि कौन सा मॉडल भाव उस पर लागू होगा। कम भाव पर नीलामी अस्वीकार करने का उसका क़ानूनी हक़ है।

यह तर्क दिया जा रहा है कि मॉडल भाव से कम होने का अर्थ है कि किसान का सोयाबीन मानक गुणवत्ता से कम है। यानी उसकी फसल फेयर एवरेज क्वालिटी (एफएक्यू) की पूर्ति नहीं करती है। किन्तु हकीकत में यह आधा सच है। फेयर एवरेज क्वालिटी की पूर्ति करते हुए भाव मॉडल भाव से कुछ कम या कुछ ज़्यादा रहना नीलामी प्रक्रिया में स्वाभाविक अंतर या वेरिएशन है। यदि नीलामी का भाव मॉडल भाव से बहुत कम हो तो कह सकते हैं कि क्वालिटी कमज़ोर है। मंडी में प्रकाशित न्यूनतम भाव इस बात को दर्शाता है कि फसल की क्वालिटी कमज़ोर होने पर भाव बहुत कम होता है। फेयर एवरेज क्वालिटी की जांच मानक भौतिक नियम से ही कर सकते हैं, जैसा कि उपार्जन केन्द्रों में होता है। मंडी कर्मचारियों को ही इसकी पुष्टि करनी होगी। मॉडल भाव से यह तय नहीं कर सकते।

व्यापारी पर दबाव बनाया जाएगा कि किसान की फसल कम भाव पर न बिके। किन्तु यह अनुरोध या दवाब से संभव नहीं है। मंडी कर्मचारी यह पहले सुनिश्चित कर लें कि फसल मानक गुणवत्ता के नियम पर ठीक है या नहीं। फिर बोली लगाते समय बोली की शुरुआत एक तय भाव से करें (फ्लोर प्राइस)। इसे ही उस दिन के लिए लागू माना जाए। अतः मानक गुणवत्ता वाली फसल कम भाव पर नहीं बेची जा सकती है। फिर समर्थन भाव से भावान्तर की दर नीलामी पर्ची पर ही दर्ज की जाए। एक रकम व्यापारी से वसूल की जाएगी और दूसरी सरकार द्वारा।

भावान्तर के पैसे कहाँ से दिए जाएँगे? मानो एक किसान की फसल मॉडल भाव पर बिकी और यह 4000 रुपए प्रति क्विंटल रही। भावान्तर हुआ 5328-4000, यानी 1328 रु प्रति क्विंटल। केंद्र सरकार ने कहा है कि वह 800 रुपए प्रति क्विंटल अदा करेगी। क्या राज्य सरकार बाकी रकम अदा करने को तैयार है? यह साफ तौर पर नहीं कहा जा रहा है। इसकी घोषणा करना ज़रूरी है या फिर मंडी भाव को रु4500 के पास रखा जाए ताकि केंद्र सरकार की सब्सिडी से काम बन जाए।

किसानों की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बाद 24 अक्टूबर से मंडियों में भावान्तर स्कीम लागू होने जा रही है। इस समय ज़रूरी है कि इस योजना में पारदर्शीता हो। कुछ सुझाव इस प्रकार हैं: फसल की गुणवत्ता भौतिक नियम से तय होना चाहिए न की मॉडल भाव से। इससे तय किया जाना चाहिए की भावान्तर स्कीम में कौन शामिल होगा और कौन नहीं हो पायेगा। यदि नीलामी भाव मॉडल भाव से कम हो तो अंतर मॉडल भाव से ही लिया जाएगा। यह स्पष्ट करना ज़रूरी है। अन्यथा, नीलामी के लिये सरकार एक दिन पहले का मॉडल भाव को फ्लोर प्राइस, यानी वह बोली जिससे नीलामी की शुरुआत की जाती है, मान सकती है। किसी भी किसान का फसल कम भाव में नहीं बीकेगा।

मंडियों का रुख अभी सोयाबीन के लिए 4000 रुपए के आस पास का है। बहुत सम्भावना है कि राज्य सरकार को औसतन 500 रुपए प्रति क्विंटल का भार अदा करना होगा। केंद्र सरकार ने अपनी सीमा तय कर ली है। क्या राज्य सरकार भी कोई अघोषित सीमा से चल रही है?

वर्तमान स्कीम से हट कर देखें तो हमारे सामने दूरगामी लक्ष्य की कुछ चुनौती नजर आती हैं। पिछले वर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य 5200 रुपए का था और मंडी का भाव 4200 के आस पास था। यानी 1000 का अंतर। सोयाबीन के खरीदार सोया मिल हैं और यह अपनी ज़रूरत का कुछ हिस्सा आयात भी करते हैं। यदि सोया मिल के लिए आयात करना सस्ता है तो भारत का बाज़ार भाव कम रहने वाला है। सरकार को परिस्थितियों का आकलन कर अपनी व्यापार नीति को एडजस्ट करना चाहिए। यह और ज़रूरी है क्योंकि देश खाध्य तेल में आत्मनिर्भर होना चाहता है। सोयाबीन उत्पादन इस का बड़ा हिस्सा है।

मंचन का रिकॉर्ड

शकील अख्तर

(पत्रकार और कला समीक्षक)

प्रेमचंद की 22 कहानियों का 22 भाषाओं में मंचन

एक दिन, एक मंच, एक लेखक विश्व रिकॉर्ड की और अविश्वसनीय बात है। 135वीं जयंती पर 10 दिनों में 135 नाटक मंचित हुए। 2023 में 8 भाषाओं में 8 नाटक। 2024 में 22 भाषाओं में मंचन और 2025 में एक ही दिन में 22 नाटक यह प्रेमचंद की साझी चेतना का उत्सव है। क्योंकि, प्रेमचंद को पढ़ना ही नहीं, जीना भी ज़रूरी है। उनकी कहानियां जब मंच पर जीवित होती हैं, तो हर दर्शक खुद को उनमें पाता है।

दिल्ली के कॉपरनिकस मार्ग स्थित एलटीजी सभागार में जो कुछ हुआ, वह न केवल भारतीय रंगमंच के इतिहास में, बल्कि विश्व रंगमंच की परंपरा में एक अनोखी मिसाल बन गया। 'प्रेमोत्सव 2025' नामक इस आयोजन में एक ही दिन, एक ही मंच पर, एक ही लेखक मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित 22 नाटकों का नॉन-स्टॉप मंचन हुआ। ये सभी नाटक भारत की संविधान मान्य 22 भाषाओं में प्रस्तुत किए गए। इस ऐतिहासिक प्रयोग का निर्देशन मुंबई की विख्यात 'आइडिया' संस्था के प्रमुख मुजीब खान ने किया। आयोजन सहयोग 'दिनकर ट्रस्ट' का रहा, जिसके अध्यक्ष नीरज कुमार हैं।

सुबह 10:30 बजे शुरू हुआ यह नाट्योत्सव रात 10 बजे तक चला। पहला नाटक 'सवा सेर गेहूँ' राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मातृभाषा संथाली में प्रस्तुत किया गया। संथाली नाटक में प्रो श्रीपति टुडू ने अभिनय किया जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में सराहा था। अंतिम प्रस्तुति 'ज्वालामुखी' गुजराती भाषा में हुई। मुंशी प्रेमचंद की कहानियों के इस प्रेमोत्सव में मुंबई से आए 40 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया। आयोजक 'दिनकर ट्रस्ट' के अध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि प्रेमोत्सव नाम के इस आयोजन की तैयारी दो वर्षों से चल रही थी। निर्देशक मुजीब खान ने कहा कि दुनिया में ऐसा कहीं नहीं हुआ जब एक ही दिन, एक ही मंच से, एक ही लेखक और निर्देशक के नाटक प्रस्तुत किए गए हों। स्मारिका और साहित्य का संगम इस अवसर पर 'प्रेमचंद का रंगमंच' शीर्षक से एक विशेष स्मारिका का विमोचन हुआ, जिसमें मंचित 22 नाटकों का प्रकाशन किया गया। इसका संपादन मुजीब खान और नीरज कुमार ने किया। स्मारिका में प्रेमचंद पर केंद्रित लेख भी शामिल हैं। नाटकों के मंचन में 4 वर्ष की उम्र से लेकर 84 वर्ष तक के कलाकारों ने भाग लिया। कई कलाकारों ने अपनी मातृभाषा से अलग भाषाओं में सहजता और भावनात्मक गहराई के साथ अभिनय किया।

हर प्रस्तुति से पहले उसकी भाषा का संक्षिप्त विवरण दिया गया। नाटकों का अनुवाद इस तरह किया गया कि कहानियाँ उस भाषा की आत्मा में रच-बस गईं। मंच से यह संदेश भी दिया गया कि किसी दौर को समझना हो तो उस दौर का साहित्य पढ़िए प्रेमचंद की कहानियाँ अंग्रेज़ी शासनकाल के भारत की जीवंत तस्वीर हैं। हर नाटक से पहले प्रेमचंद के जीवन से जुड़े तथ्य साझा किए गए।

मिसाल के लिए प्रेमचंद ने पहली कहानी 'सौतन' उर्दू में लिखी। 'कफ़न' दिल्ली में एक रात में लिखी। उनका मूल नाम धनपत राय था, पहले वे 'नवाब राय' के नाम से लिखा करते थे। 1908 में उनकी पुस्तक 'सोज़े वतन' पर ब्रिटिश सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया। मुकदमा हुआ। इसके बाद वे 'प्रेमचंद' के नाम से लिखने लगे। मंचित कहानियां और भाषाएँ

प्रेमचंद की कहानियाँ इन भाषाओं में प्रस्तुत की गईं संथाली : सवा सेर गेहूँ , उर्दू: ईदगाह, उड़िया : अभागिन, मलयालम : मिस पद्मा, पंजाबी : गृह नीति, कश्मीरी : मौत और ज़िन्दगी, नेपाली : प्रेरणा, बंगाली : मासूम बच्चा, डोगरी : खुदी, तमिल : सौतन, असमिया : बूढ़ी काकी, हिंदी बड़े घर की बेटी, बोडो : राष्ट्र सेवक, तेलुगू: कफ़न, सिंधी : मेरी पहेली रचना, कोंकणी : जादू, मणिपुरी : पागल हाथी, संस्कृत : पूस की रात, मराठी : ख़ौफ़-ए-रुसवाई, मैथिली : दुर्गा का मंदिर, कन्नड़ : क़ातिल और गुजराती : ज्वालामुखी। कहानियों के प्रमुख कलाकार अंबाला जनार्दन, वरुण मेहरा, निशा पटेल, अजॉय गिरि, संदीप भट्टाचार्य, चेतन गावड़ा, तेजस पारेख, अपेक्षा देशमुख, जाहिया ख़ान, मदीहा ख़ान, मोक्ष गुरु, शालिनी सुनील, रसिका खिरवाडकर, असित कुमार, सुरश्री साहू, कर्फी, प्रीतम बोरो, शिन्तु चीरान, सनीश साइमन, पूनम सियाल, सैकिया, दीपा मुनि, मेघा दत्ता, मदन मुरूगन, संदीप भट्टाचार्य, प्रो. श्रीपति टुडू, साहिल माधवानी, शशिकांत मुर्मू।

मुख्य अतिथि सत्यनारायण जटिया ने अटल बिहारी वाजपेयी की कविता 'कदम से कदम मिलाकर चलना होगा' का उल्लेख किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा, 'राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में प्रेमचंद के साहित्य पर आधारित उत्सवों की जगह होनी चाहिए।' डॉ. राजेंद्र सिंह, प्रो. राणा प्रताप सिंह और संसद टीवी के श्याम किशोर सहाय ने भी आयोजन की सराहना की। कलाकारों को शाल-पट्टिका और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में अश्विनी कुमार चौबे, नीरज कुमार, श्याम किशोर सहाय और लेखक शकील अख्तर ने भाग लिया। आयोजन में राजा रंजन का विशेष सहयोग रहा।

मुंशी प्रेमचंद की कहानियों के इस अभिनव प्रयोग पर निर्देशक मुजीब खान ने कहा, प्रेमचंद की कहानियाँ केवल साहित्य नहीं, समाज की आत्मा हैं। उन्होंने कहा कि मुंशी प्रेमचंद का नाम सुनते ही भारतीय गाँवों की धूल भरी पगडंडियाँ, किसान की थकी हुई साँसें, स्त्री का ममत्व, गरीब की पीड़ा और समाज की सच्चाई आँखों के सामने तैर जाती है। मैं यही कहूंगा कि प्रेमचंद केवल लेखक नहीं बल्कि युगदृष्टा थे। 2005 में प्रेमचंद की 125वीं जयंती पर 'आइडिया' संस्था ने यह यात्रा शुरू की। आलोचकों ने कहा कि आज कौन प्रेमचंद पढ़ता है? लेकिन, मैंने हार नहीं मानी। धीरे-धीरे प्रेमचंद की कहानियाँ मंच पर उतरती गईं। हर प्रस्तुति में लगा जैसे प्रेमचंद की आत्मा दर्शकों से संवाद कर रही हो।

नगरपालिका में फेस रिकग्निशन अटेंडेंस शुरू, 80 प्रतिशत ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया

एईबीएएस से लगेगी हाजिरी, पालन नहीं तो रुकेगा वेतन

बैतूल। नगरपालिका ने कर्मचारियों की उपस्थिति पर कड़ी निगरानी रखने के लिए ऑनलाइन अटेंडेंस सिस्टम अनिवार्य कर दिया है। जिसके माध्यम से अब कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है। दरअसल कई कर्मचारी उपस्थिति दर्ज कराकर लौट जाते थे या अक्सर कार्यालयों में अनुपस्थित रहते थे। कर्मचारियों की इस लापरवाही से नगरपालिका में कामकाज पर असर पड़ता था। जिसके बाद नगरपालिका में एईबीएएस बायोमेट्रिक सिस्टम लागू कर दिया है। इसमें अभी तक 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने फेस रिकग्निशन अटेंडेंस के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा लिया है। शेष कर्मचारियों का रजिस्ट्रेशन भी जारी है। बता दे कि नगरपालिका बैतूल में करीब 600 के लगभग कर्मचारी है। इन सभी कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन अटेंडेंस सिस्टम को अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए कर्मचारियों के एनराइड मोबाइल फोन में ई-अटेंडेंस एप की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। साथ ही ऑफिस में भी फेस रिकग्निशन मशीनें लगाई गई हैं, जहां कर्मचारी अपनी हाजिरी दर्ज कर रहे है। इससे कर्मचारियों की उपस्थिति पर कड़ी निगरानी रहेगी।

कार्य प्रारंभ और समाप्ति के बाद उपस्थिति कराना होगा दर्ज- नपा में अधिकारियों और कर्मचारियों को एईबीएएस बायोमेट्रिक सिस्टम से उपस्थिति दर्ज करानी पड़ रही है। इस संबंध में मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा आदेश जारी किया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि समय पर कार्यालय पहुंचना और उपस्थिति दर्ज कराना सभी के लिए अनिवार्य होगा। मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बताया कि यह कदम नगर प्रशासन एवं विकास मंत्रालय भोपाल से प्राप्त निर्देशों के पालन में उठाया गया है। मंत्रालय ने 14 अगस्त 2025 को सभी निकायों को निर्देश दिए थे कि उपस्थिति की निगरानी और प्रबधन एमपी अटडस पाटल स का जाए। आदेश में कहा गया है कि अब प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को कार्य प्रारंभ और समाप्ति के समय बायोमेट्रिक माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराना होगा। जो कर्मचारी इस निंदेश का पालन नहीं करेंगे, उनको अनुपस्थिति मानी जाएगी।

उपस्थिति दर्ज नहीं, तो नहीं मिलेगा वेतन -नगरपालिका में कार्यरत कर्मचारियों को एनराइड मोबाइल फोन में ई-अटेंडेंस एप का सुविधा उपलब्ध कराइ गइ है। साथ हा ऑफिस में भी फेस रिकग्निशन मशीनें लगाई गई हैं, जहां कर्मचारियों को हाजिरी लग रही है। यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी अक्टूबर माह में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उपस्थिति दर्ज नहीं करता है, तो उसके वेतन भुगतान पर संकट आ सकता है और इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी की होगी। सीएमओ ने कहा कि यह व्यवस्था पारदर्शिता बढ़ाने और कार्य अनुशासन बनाए रखने के लिए लागू की जा रही है। उन्होंने सभी शाखा प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि आदेश का सती से पालन कराएं।

कर्मचारियों की कार्यप्रणाली में आयेगा सुधार -नगरपालिका प्रशासन ने साफ निर्देश दिए हैं कि अब कर्मचारियों की उपस्थिति मोबाइल एप के माध्यम से ही मान्य होगी। नगरपालिका परिसर में प्रवेश करने के बाद ही कर्मचारी एप से अपनी हाजिरी दर्ज करेंगे। यदि कोई कर्मचारी अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं करता है, तो उसके उस दिन का वेतन काटा जाएगा। साथ ही चेतावनी दी गई है कि जो कर्मचारी नियमित रूप से उपस्थिति नहीं देंगे, उनका नवंबर माह का वेतन रोका जा सकता है। नगरपालिका का यह कदम कर्मचारियों में अनुशासन और पारदर्शिता लाने की दिशा में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। प्रशासन को उमीद है कि ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था से कार्यप्रणाली में सुधार आएगा और कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित होगी।

इनका कहना है -

नगरपालिका में अटेंडेंस पोर्टल पर फेस के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। नपा में 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों के फेस रिकग्निशन अटेंडेंस के लिए पंजीयन हो चुका है। शेष कर्मचारियों का रजिस्ट्रेशन का कार्य भी जारी है।

- सतीश मटसेनिया, सीएमओ नगरपालिका बैतूल

कृषि उपज मंडी धार में दीपावली पूजन और मुहूर्त के सौदे 24 अक्टूबर को होंगे

धार। कृषि उपज मंडी धार में दीपावली पूजन और मुहूर्त के सौदे 24 अक्टूबर को होंगे। अनाज दलहन तिलहन व्यापार विकास समिति धार के अध्यक्ष अनंत अग्रवाल ने बताया कि कृषि उपज मंडी धार में मुहूर्त के व्यापारिक सौदे, पूजन,मिलन समारोह और नीलामी का आयोजन 24 अक्टूबर,शुक्रवार को रखा गया है। पहले सुबह 9 बजे दीपावली पूजन एवं मिलन समारोह होगा और 10 बजे नीलामी मुहूर्त है। अतिथियों के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, धार विधायक नीना वर्मा, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, एसपी मयंक अवस्थी, एसडीएम एवं भारसाधक अधिकारी राहुल गुप्ता तथा सीएसपी सुजावल जगगा को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर मध्य प्रदेश शासन की भावांतर योजना का भी शुभारंभ किया जावेगा।

डहुआ में डेरी संचालकों ने वितरित की दुग्ध केन, किसानों के चेहरों पर खिली मुस्कान

बैतूल। दीपावली के त्यौहार पर ग्राम डहुआ के डेरी संचालकों ने अपने किसान सदस्यों को एक खास उपहार देकर खुशियां दोगुनी कर दी। दूध गंगा डेरी के संचालक सुरेश चिकाने और डहुआ डेरी की संचालक मंजू बारंगे ने डेरी से जुड़े सभी किसान सदस्यों को बोनस स्वरूप 10

लीटर की दूध केन वितरित की। संचालकों ने बताया कि डेढ़ वर्ष पूर्व मात्र 15 लीटर दूध से डेरी की शुरुआत की गई थी, जो आज किसानों की मेहनत और एकजुटता से बढक़र प्रतिदिन 1 हजार लीटर दूध की खरीदी तक पहुंच गई है। मंजू बारंगे ने बताया कि दीपावली जैसे शुभ पर्व पर बोनस के रूप में केन वितरण का उद्देश्य किसानों को प्रोत्साहित करना और उनके परिश्रम का सम्मान करना है। डेरी के सदस्य इस उपहार को पाकर बेहद उत्साहित नजर आए और संचालकों का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह के प्रोत्साहन से डेरी व्यवसाय को और बढ़ावा मिलेगा और आने वाले समय में डहुआ गांव जिले में दुग्ध उत्पादन का केंद्र बनकर उभरेगा।

कंपनी डायरेक्टर 30 लाख गबन के आरोप से बरी

10 साल पुराने मामले में अभियोजन 66 गवाह के बावजूद असफल

बैतूल। आमला में एडीजे कोर्ट ने आर.बी.एन. इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर रामनिवास को 30 लाख रुपए के गबन के आरोप से बरी कर दिया है। अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ अपराध साबित करने में असफल रहा। यह मामला लगभग 10 साल पुराना है। कंपनी ने 25 सितंबर 2010 से 30 अक्टूबर 2015 के बीच छोटे व्यापारियों और निवेशकों से धनराशि जमा की थी। बाद में कंपनी ने अचानक अपना कार्यालय बंद कर दिया और फरार हो गई। इस संबंध में श्याम कुमार पाटोदिया ने 25 जुलाई 2017 को आमला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि कंपनी के डायरेक्टर रामनिवास और अन्य निदेशकों ने लगभग 30 लाख रुपए का गबन किया और निवेशकों के साथ धोखाधड़ी की। कंपनी स्वयं को लाइफ इंश्योरेंस कंपनी की कॉर्पोरेट एजेंट बताती थी। यह पॉलिसी बॉन्ड बेचने और रियल एस्टेट में निवेश कराने का काम करती थी। शिकायतकर्ता पाटोदिया भी कंपनी में एक निवेशक थे। मामला मध्यप्रदेश निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम 2000 के तहत भी दर्ज किया गया था। विवेचना अधिकारी विजय राव माहोरे ने जांच के दौरान सेबी और कॉर्पोरेट मंत्रालय से कंपनी की जानकारी मांगी थी। विवेचना में कुल 66 गवाह और 85 दस्तावेज पेश किए गए। सेबी की महाप्रबंधक निर्मल कुमार मेहरोत्रा और डिप्टी रजिस्ट्रार अंजनी सुजानिया ने अदालत में गवाही दी कि रामनिवास कंपनी का डायरेक्टर था। हालांकि, गवाहों ने यह भी कहा कि घटना के समय वह कंपनी के सीएमडी थे या नहीं, यह बताना संभव नहीं है। बचाव पक्ष के अधिवक्ता राजेंद्र उपाध्याय ने दलील दी कि विवेचना के दौरान यह प्रमाणित नहीं हुआ कि आरोपी अपराध के समय डायरेक्टर था। अधिवक्ता ने यह भी तर्क दिया कि विवेचक ने एसपी बैतूल से आवश्यक अनुमति लिए बिना मध्यप्रदेश निक्षेपकों के संरक्षण अधिनियम के तहत अग्रिम विवेचना की, जिससे प्रक्रिया दोषपूर्ण हो गई। लंबी सुनवाई के बाद न्यायालय ने माना कि अभियोजन पक्ष अपराध को संदेह से परे प्रमाणित करने में असफल रहा, इसलिए आरोपी को बरी किया जाता है। हालांकि, रामनिवास की जेल से रिहाई नहीं हो सकी, क्योंकि उनके विरुद्ध अन्य जिलों में भी अन्य प्रकरण लंबित हैं।

सडक़ हादसे में युवक की मौत, अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम

बैतूल। चिचोली में आलमपुर जोड़ के पास एक सडक़ हादसे में चिचोली निवासी राजू (48 वर्ष) की मौत हो गई। उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार, राजू अपने मामा के घर आलमपुर जोड़ गए थे। वापस लौटते समय सडक़ निर्माण स्थल पर लगे बैरिकेड्स के पास एक ट्रक ने ओवरटेक करते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसे में राजू गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल राजू को पहले चिचोली अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आदि कर्मयोगी अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन पर कलेक्टर ने दी बधाई

बैतूल। आदि कर्मयोगी अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए जिले को मिले राष्ट्रीय सम्मान में सक्रिय भूमिका निभाने के

लिए कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन की कुशल कार्यप्रणाली की सराहना की और उन्हें बधाई दी।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने अभियान के सफल क्रियान्वयन में योगदान देने वाले सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विवेक पांडे, सभी जनपद सीईओ एवं जिला अधिकारियों की टीम को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कोतवाली टीआई सक्सेना को हटाकर नीरज पाल को सौंपी कमान

प्रशिक्षु डीएसपी शैफा हाशमी को गंज थाने का प्रभार

बैतूल। पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने बुधवार को शहर के पुलिस अधिकारियों की पदस्थापना में महत्वपूर्ण बदलाव किया हैं। इस फेरबदल में वर्तमान में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक सत्यप्रकाश सक्सेना को कोतवाली से हटाकर रक्षित केन्द्र बैतूल भेजा गया है। उनकी जगह पर अब थाना गंज के प्रभारी निरीक्षक नीरज पाल को कोतवाली का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं, गंज थाने का स्वतंत्र प्रभार प्रशिक्षु डीएसपी शैफा हाशमी को सौंपा गया है। सत्यप्रकाश सक्सेना को कुछ समय पहले ही स्थानांतरित कर कोतवाली प्रभारी बनाया गया था। वह जिले के विभिन्न थानों में पदस्थ रहकर अपनी सेवाएं देते रहे हैं, उनके कार्यकाल के दौरान कई गंभीर मामलों की जांच जारी थी, प्रशासनिक कारणों के चलते उन्हें रक्षित केंद्र बैतूल में पदस्थ किया गया है। वही प्रशिक्ष डीएसपी शैफा हाशमी को प्रशिक्षण अवधि के दौरान बेहतर प्रदर्शन के चलते गंज थाने का स्वतंत्र प्रभार सोंपा गया है। यह उनके लिए पुलिस सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, इस दौरान शुश्री हाशमी विभिन्न कार्यवाहियों से एएसपी कमला जोशी को अवगत कराएंगी। प्रशिक्षु डीएसपी शैफा हाशमी मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल के 43वें बैच की अधिकारी हैं। इस अवधि में शैफा हाशमी को अपनी मेंटॉर अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी के समक्ष प्रशिक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होती है। बैतूल शहर में हुए इस फेरबदल को नवागत पुलिस अधीक्षक की सख्ती और कार्य में सुधार के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

कांग्रेस जिला समन्वय समिति की बैठक आज

बैतूल। जिला कांग्रेस कमेटी की जिला समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आज 23 अक्टूबर गुरुवार को दोपहर 2 बजे से कांग्रेस कार्यालय गंज में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में नवनियुक्त जिला प्रभारी, जुन्नारदेव विधायक सुनील उइके तथा सह प्रभारी, विदिशा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय दांतरे विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष निलय डागा से मिली जानकारी के अनुसार बैठक के दूसरे सत्र में दोपहर 3 बजे से वरिष्ठ कांग्रेस जनों की बैठक होगी, जिसमें जिला प्रभारी एवं सह प्रभारी वोट चोर गद्दी छोड़ राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर बीएलए गठन सहित संगठन के विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता जनप्रतिनिधि, पूर्व जनप्रतिनिधि, ब्लाक प्रभारी, मंडलम अध्यक्ष एवं मंडलम प्रभारी, सेक्टर अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में यह बैठक आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तय करने के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

थोक एवं जनरल किराना व्यापारियों का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

बैतूल। थोक एवं जनरल किराना व्यापारियों का दीपावली मिलन समारोह का आयोजन होटल आभाश्री, सिविल लाइन बैतूल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल

विधायक हेमंत खंडेलवाल, केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, पूर्व विधायक निलय डागा, कर सलाहकार एवं पूर्व सुधार न्यास अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल, थोक एवं जनरल किराना संगठन के अध्यक्ष बंटी मोटवानी, सचिव प्रवीण गुगनानी, युवा भाजपा नेता एवं कर सलाहकार योगी खंडेलवाल, चंदूमल थारवानी, मोहन गुप्ता, भगवती अग्रवाल, ब्रजकपुर, प्रवीण भाई दोषी, नरेंद्र हिराणी, मनोज भार्गव, संतोष हिराणी आदि बडी संख्या में व्यापारीगण भी दीपावली मिलन कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

भावांतर योजना के तहत जिले में सोयाबीन खरीदी सुव्यवस्थित ढंग से की जाएं : कलेक्टर

अविवादित नामांतरण, बंटवारा, धारणाधिकार के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाएं

बैतूल। भावांतर भुगतान योजना के तहत मंडियों में सोयाबीन की खरीदी शासन निर्देशों के अनुरूप सुव्यवस्थित ढंग से की जाएं। एसडीएम सजगता और गंभीरता से अपने क्षेत्र में खरीदी कराएं। यह निर्देश कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में

आयोजित समयसीमा की बैठक में उपार्जन संबंधी अधिकारियों को दिये। उन्होंने उप संचालक कृषि को निर्देशित किया कि उपार्जन से पूर्व अनुज्ञप्तिधारी व्यापारियों, मंडी सचिव एवं संबंधी अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर उन्हें खरीदी संबंधी आवश्यक दिशा निर्देशों से अवगत कराएं।

निर्वाण लाडु चढ़ाकर भगवान महावीर स्वामी का 2552वाँ निर्वाण महामहोत्सव मनाया

अद्भुत दृश्य 24, 24 किलो के 28 लाडू पावापुरी तीर्थ की निर्मित सुंदर प्रतिकृति पर विराजित महावीर भगवान के समक्ष समर्पित किए

धार। दिगंबर जैन समाज धार के श्री शांतिनाथ मंदिर जी में उपाध्याय श्री विभंजन सागर जी मुनिराज के पावन सानिध्य में भगवान महावीर स्वामीजी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया। प्रातः श्री जी के प्रथम अभिषेक एवं महावीर भगवान स्वामीजी की प्रतिमा को पावापुरी की प्रतिकृति पर विराजमान करने का सौभाग्य समाजरत्न। नरेश कुमार, श्रेणीक कुमार जी गंगवाल परिवार को मिला। शांतिधारा करने का लाभ विमल कुमार जैन पंचायत वाला परिवार एवं पंडित विमलचंद जी जैन शास्त्री परिवार को मिला।

निर्वाण लाडू चढ़ाने हेतु लाभार्थी परिवारों का चयन बोली के माध्यम से किया गया जिसमें शांतिनाथ भगवान की वेदी पर 24 किलो के निर्वाण लाडू चढ़ाने का लाभ विमल चंद जैन शास्त्री परिवार को मिला। मुनिसुव्रत नाथ भगवान की वेदी पर 24 किलो का निर्वाण लाडू चढ़ाने का लाभ विमलचंद जैन पंचायत वाले परिवार को मिला। आदिनाथ भगवान की वेदी पर 24 किलो का निर्वाण लाडू चढ़ाने का लाभ उत्तम चंद काला परिवार को मिला। पावापुरी की प्रतिकृति के समक्ष 24 किलो का निर्वाण लाडू चढ़ाने का लाभ प्रेमचंद जैन उज्जैन वाला परिवार को मिला। आज भव्यातिभव्य ऐतिहासिक निर्वाण महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंगलाचरण की

प्रस्तुति प्रगति दीदी ने की दीप प्रज्वलन गुरु पाद प्रक्षालन शास्त्र भेंट करने का लाभ नरेश कुमार श्रेणिक कुमार जी गंगवाल परिवार को मिला। आज के विशेष दिन गुरुदेव ने अपनी अमृतमय वाणी से सभी को लाभान्वित किया तत्पश्चात निर्वाण लाडू चढ़ाये गए। पावापुरी की प्रतिकृति के समक्ष 24 किलो का निर्वाण लाडू के साथ 24 परिवारों ने भी 24-24 किलो के निर्वाण लाडू संगीत के साथ भक्ति नृत्य करते हुए गुरुदेव के सानिध्य में उत्साह पूर्वक चढ़ाये।

आज के कार्यक्रम में प्रगति दीदी का विशेष सहयोग रहा जिन्होंने अपनी मधुर वाणी से संगीत के साथ लाडू चढ़वाने में अपनी अहम भूमिका निभाई अंत में आरती करने का सौभाग्य अशोक कुमार पुनीत कुमार गंगवाल परिवार को मिला।

परम पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में मोक्ष कल्याणक दिवस दीपावली पर्व पर भगवान महावीर स्वामी की निर्वाण स्थली पावापुरी, बिहार की सुंदर रचना एवं 24-24 किलो के 28 लाडू चढ़ा कर धार समाज में प्रथम बार ऐतिहासिक महामहोत्सव मनाया गया। इसके साथ ही संध्या काल में छह बजे मंदिर जी में पूज्य गुरुदेव के सानिध्य मे 1224 दीपकों से श्रीजी की महाआरती का आयोजन किया गया। इस एतिहासिक आयोजन की सुंदर संरचना प्रगति दीदी द्वारा की गई साथ ही सुंदर भजनो के माध्यम से समाज के समस्त सदस्यों ने भक्ति आराधना कर धर्म लाभ लिया। अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल ने इस आयोजन में सहयोग के लिए सभी समाज जन को धन्यवाद देते हुवे आभार व्यक्त किया। जानकारी मीडिया प्रभारी संजय गंगवाल ने दी।

एसपी ने वृद्धजनों के साथ किया महालक्ष्मी पूजन

श्रद्धालय में हुआ वृद्धजनों का सम्मान

धार। दीपावली पर्व का अपना महत्व है। वृद्धजन

के मध्य आकर अच्छा लगा। वृद्धजन की सेवा बहुत ही सौभाग्य की बात है। धार एसपी मयंक अवस्थी ने श्रद्धालय वृद्धाश्रम में महालक्ष्मीजी का पूजन आरती करके व्यक्त किए। आरती पश्चात वृद्धजनों को वस्त्र भेंट किए। सेवादार साथियों को दीपावली बोनस उपहार प्रदान किया। सबको मिठाई खिलाकर बधाई दी। पुलिस अधीक्षक ने आश्रम परिसर का अवलोकन किया। वृद्धजन द्वारा संचालित गौशाला को देखा। विजिटर बुक में प्रभावी कमेंट लिखा। पुलिस अधीक्षक की विनम्रता व सहजता से वृद्धजन भी प्रभावित हुए। बड़ा व्यक्तित्व बड़ा ही होता है। अनुरोध पर भी कुर्सी स्वीकार ना कर स्वयं खड़े रहकर कमेंट लिखा। सम्मान व आश्रम संचालन हेतु सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर भोज शोध संस्थान के निदेशक डॉ दीपेंद्र शर्मा, सत्कार अधिकारी रामकिशोर पांडेय, भरत पंवार सर उपस्थित थे। पूजन पंडित चंदू महाराज ने सम्पन्न करवाया। जानकारी मीडिया प्रभारी राकी मक्कड़ ने दी।

अखिल भारतीय निःशुल्क परिचय सम्मेलन 10-11 जनवरी 2026 को धार में आयोजित होगा

बबनलाल अग्रवाल, अनंत अग्रवाल और मनोहरलाल अग्रवाल मुख्य संयोजक तथा गोपीकिशन अग्रवाल संयोजक नियुक्त

धार। मध्यप्रदेश के अग्रवालों की प्रतिष्ठित एवं संवैधानिक संस्था मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा जिला धार द्वारा आगामी 10-11 जनवरी 2026, शनिवार-रविवार को श्रद्धा एवं शगुन गार्डन धार में विशाल अखिल भारतीय निशुल्क परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

आयोजन समिति के मुख्य संयोजक के रूप में बबन लाल अग्रवाल, अनंत अग्रवाल और मनोहरलाल अग्रवाल (मना सेठ) नियुक्त किए गए हैं। गोपीकिशन अग्रवाल परिचय सम्मेलन के संयोजक रहेंगे।

महासभा के संरक्षकगण डॉ उमेश मित्तल,डॉ के सी जिंदल, वल्लभ अग्रवाल, महेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल,महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष आशीष गोयल, प्रांतीय उपमंत्री पराग अग्रवाल के सानिध्य में और सभी अग्रवंशियों, महासभा के सदस्यगणों, महिला महासभा, युवक महासभा की सक्रिय सहभागिता से यह पूरा गरिमामय आयोजन ऐतिहासिक रूप से संपन्न होगा।

आयोजन समिति में परामर्शदाता, मार्गदर्शक मंडल सहित विभिन्न व्यवस्थात्मक समितियों का गठन आगामी दिनों बृहद बैठक कर किया जावेगा। धनतेरस के पावन अवसर पर परिचय सम्मेलन का मोनो भी जारी कर दिया गया है। यह जानकारी मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा जिला धार के जिला महामंत्री दीपक अग्रवाल और मुरली अग्रवाल ने दी।

कचरा खंती को हटाए जाने की कवायद प्रारंभ

बढ़ते रहवासी क्षेत्र के चलते स्थान परिवर्तन आवश्यक,प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी एवं एसडीएम ने किया निरीक्षण

बैतूल / मुलताई। मसोद रोड पर स्थित नगरपालिका की कचरा खंती जो कल तक नगर की सीमा से बाहर थी, आज रहवासी क्षेत्र का हिस्सा है। यह कचरा खंती इसके आसपास रहने वालों के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर संकट है। जिसे हटाकर नगर की सीमा से दूर ले जाए जाने की मांग लंबे समय से की जाती रही है, किंतु कोई हल नही निकला। हाल ही में मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड छिंदवाड़ा के क्षेत्रीय अधिकारी अरविंद तिवारी, एसडीएम राजेश कहार, नगर पालिका के उपयंत्री योगेश अनेराव ने कचरा खंती का निरीक्षण कर पंचनामा बनाया है। जिसके बाद यह माना जा रहा है कि अब मासोद रोड स्थित नगरीय सीमा की कचरा खंती को हटाए जाने की कवायत प्रारंभ हो गई है। यहां उल्लेखनीय है कि नगरी सीमा में स्थित कचरा खंती से आवासीय क्षेत्र के लोगों पर पढऩे वाले दुष्प्रभाव एवं पर्यावरण को हो रहे नुकसान को देखते हुए इस क्षेत्र के निवासी गुड्डू पाटेकर ने उक्त मामले की शिकायत मध्य प्रदेश प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड से की थी जिसकी जांच के लिए प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, राजस्व एवं नगर पालिका की संयुक्त टीम (डंप साइट या गार्बेज पिट) कचरा खंती स्थल पहुंची थी। नगर पालिका के अधिकारी एवं तहसीलदार ने मासोद रोड स्थित कचरा खंती को हटाकर दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए, शासन की रिक्त भूमि की तलाश में जुट गए हैं माना जा रहा है कि शीघ्र ही इस कचरा प्रबंधन के जानकार बताते हैं कि कचरा प्रबंधन कुछ लोगों के लिए जेब प्रबंधन साबित हुआ है, अब इसमें किसको क्या मिला यह अंदर की बात है। किंतु फिलहाल कचरा प्रबंधन के नाम पर कचरा

समस्या का स्थाई हल निकाला जा सकेगा।

यह कैसा कचरा प्रबंधन, खर्च ही खर्च नतीजा कुछ भी नहीं -मुलताई नगर पालिका ने पिछले 5 वर्षों में कचरा प्रबंधन के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए किंतु करोड़ों रुपए खर्च के बावजूद भी यहा कचरा प्रबंधन कहीं दिखाई नहीं देता। मैदान की स्थिति निरंतर खराब होते जा रही है और पूर्व में नगर पालिका द्वारा यहां बनाए गए तालाब में भी कचरा डाला जा रहा है जिसके कारण आसपास के जल स्रोत का जल दूषित हो रहा है।

नपा राजस्व टीम मिलकर करेगी भूमि की तलाश-मुलताई नगर का आवासीय क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है जिसे देखते हुए डंप कचरा साइट बदलना आवश्यक हो गया है वही अब नगर पालिका को ऐसा स्थान की आवश्यकता होगी जो नगर की सीमा से कम से कम 4 से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हो क्योंकि नगर की सीमा से लगभग 2 किलोमीटर का एरिया अवैध कॉलोनीयों ने भर दिया है और आगामी 5 वर्षों में नगर से होकर गुजरने वाले 7 मुख्य मार्गों पर 1 किलोमीटर आवासीय क्षेत्र और बढ़ जाएगा, इसलिए नगर पालिका और राजस्व टीम को ऐसे स्थान की तलाश करनी होगी कि आगामी 20 वर्षों तक आवासीय क्षेत्र और कचरा खंती में निश्चित दूरी बनी रहे।

इनका कहना है -

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, एसडीएम और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने वर्तमान कचरा स्थल का निरीक्षण किया है। प्रदूषण बोर्ड के अधिकारियों ने कहा कि बढ़ते रहवासी क्षेत्र को देखते हुए स्थान परिवर्तन आवश्यक है। एसडीएम ने तहसीलदार से मिलकर स्थान परिवर्तन के लिए भूमि चयन में चर्चा के लिए कहा है।

योगेश अनेराव, उपयंत्री, नगरपालिका मुलताई

गोवर्धन पूजा प्रकृति से जुड़े रहने की देती है सीख : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार व लक्ष्मणबाग में किया गोवर्धन एवं गौपूजन

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि किसानों और गौवंश की उन्नति से ही प्रदेश व देश समृद्धशाली होगा। गोवर्धन पूजा व गौपूजन हमारी सनातन संस्कृति है जो प्रकृति से जुड़े रहने की सीख देती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल लक्ष्मणबाग गौशाला व बसामन मामा गौवंश वन्य विहार रीवा में आयोजित गोवर्धन पूजा व गौपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गौवंश के संरक्षण से किसान समृद्धशाली होंगे। भगवान श्रीकृष्ण ने भी गोकुल व गौ की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत धारण किया था। हमारा देश किसानों व गौवंश का देश है। इनकी समृद्धि से ही वास्तविक समृद्धि आएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दुग्ध उत्पादन को दोगुने करने के संकल्प को पूरा करने के लिए गौवंश संरक्षण व गौपालकों को अतिरिक्त अनुदान राशि दी जा रही है। गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास जारी हैं। गौवंश के उत्पाद से बनने वाली वस्तुओं को बाजार उपलब्धता के कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गोवर्धन व गौपूजन से हमारे संस्कृति व संस्कारों से आने वाली पीढ़ी पूरी तरह से त्यौहारों के आयोजन में प्रशासन की भागीदारी से आने वाली पीढ़ी जागरूक होगी और हम अपनी संस्कृति को अक्षुण्य रखने में सफल होंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गौपूजन कर गायों को भोजन खिलाया। उन्होंने गौ-सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों, कर्मचारियों, नागरिकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. मुरुगन ने की सौजन्य भेंट

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर केंद्रीय मंत्री श्री मुरुगन का स्वागत किया। केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. मुरुगन ने पुष्प-गुच्छ, तिरूपति बालाजी मंदिर का प्रसाद देकर और शॉल ओढ़ाकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ मुरुगन ने मध्यप्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने की गोवर्धन पूजा

संस्कृति को सहेजने का संदेश देते हैं पर्व राज्यमंत्री श्रीमती गौर

भोपाल (नप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने बुधवार को श्री महामृत्युंजय गौशाला में गोवर्धन पूजा की। उन्होंने कहा कि पर्व अपनी संस्कृति को सहेजने का संदेश देते हैं और गौ-वंश का संरक्षण हमारा परम कर्तव्य है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि नगर निगम द्वारा संचालित श्री महामृत्युंजय गौशाला में 800 गायों की सेवा की जाती है। हम सब सौभाग्यशाली है कि श्रद्धा से भरपूर इस कार्यक्रम के साक्षी बनने का अवसर मिला है।राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने क्षेत्र के रहवासियों की सुख समृद्धि की प्रार्थना भी की। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में गौ माता के संरक्षण को सर्वोपरि रखा गया है। हमारी महान संस्कृति है, जो आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित रखने का मार्ग भी प्रशस्त करती है।इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि श्रीमती छाया ठाकुर, श्रीमती उर्मिला मौर्य, श्रीमती शगुन लोधी, श्री संतोष ग्वाला, श्री अशोक गुप्ता, श्री सुरेंद्र वाडिका सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मल्हारगंज में हुई घटना पर जताई संवेदना, परिजन को दिलाया न्याय का भरोसा किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बुधवार को इंदौर एयरपोर्ट पर मल्हारगंज थाना क्षेत्र में हाल ही में हुई घटना के मृतक अंकित राठौर के परिजनों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मामले की विस्तृत जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतक की पत्नी श्रीमती खुशबू राठौर को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की।

दलितों पर बढ़ते अत्याचारों से दहल उठा मध्यप्रदेश,भाजपा राज में 'जुल्म का जंगलराज' चरम पर: जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने मध्य प्रदेश के भिंड जिले के सुरपुरा गांव में एक दलित युवक के साथ हुई अमानवीय घटना पर गहन चिंता व्यक्त की है। यह घटना न केवल मानवता की हत्या का प्रतीक है, बल्कि भाजपा सरकार की कानून-व्यवस्था की पूर्ण पतन का जीता-जागता प्रमाण है। यह सवाल उठाता है कि भाजपा सरकार के शासनकाल में दलितों, आदिवासियों और वंचित वर्गों के साथ दुश्मनी क्यों? मध्य प्रदेश के भिंड जिले के सुरपुरा गांव में एक 25 वर्षीय दलित युवक, जो पेशे से ड्राइवर है, के साथ तीन दबंगों - सोनू बरुआ, आलोक पाठक और छोटू ओझा - ने घृणित अपराध किया। आज श्री पटवारी ने वीडियो कॉल के माध्यम से पीड़ित युवक से घटना कि बिस्तृत जानकारी ली * पीड़ित ने बताया कि उसने कुछ दिन पहले दतावली गांव के सोनू बरुआ की बोलेरो चलाने का काम छोड़ दिया था और ग्वालियर के दीनदयाल नगर में अपने ससुराल में रहने लगा था। सोमवार रात आरोपी ग्वालियर पहुंचे, पीड़ित को जबरन कार में बिठाकर भिंड के सुरपुरा गांव ले आए। वहां पहुंचते ही उन्होंने पीड़ित की बेरहमी से पिटाई की, जबरन शराब पिलाई और फिर पेशाब पीने के लिए मजबूर किया। पीड़ित की हालत बिगड़ने पर आरोपी उसे वहीं छोड़कर फरार हो गए। किसी तरह फोन कर परिजनों को सूचना दी गई, जिन्होंने पीड़ित को अस्पताल पहुंचाया। भाजपा सरकार को बताना होगा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं? एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में मध्य प्रदेश में 7,732 दलित अत्याचार के मामले दर्ज हुए, जो देश में तीसरे स्थान पर है।

मेपकास्ट द्वारा फैशन डिजाइनिंग आधारित स्टार्टअप शुरू करने हेतु प्रशिक्षण 30 अक्टूबर से

भोपाल। युवाओं को फैशन डिजाइनिंग आधारित स्टार्ट-अप/उद्योग/स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) भोपाल द्वारा महिला पॉलीटेक्निक भोपाल के सहयोग से भोपाल में 6 सप्ताह की अवधि का निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम, 30 अक्टूबर से आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, द्वारा प्रवर्तित है । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को फैशन डिजाइनिंग ट्रेड में अपने लिए एक उपयुक्त प्रोजेक्ट का चयन कर उसे संचालित करने में सक्षम बनाना है। इसके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक इनपुट्स दिए जायेंगे। प्रशिक्षण में भाग लेने के इच्छुक ऐसे युवक/युवतियां जिनकी योग्यता विज्ञान/इंजीनियरिंग में स्नातक अथवा पॉलीटेक्निक डिप्लोमा/पीजीडीसीए है तथा उम्र 35 वर्ष है (महिलाओं को उम्र में विशेष छूट) इस प्रशिक्षण हेतु आवेदन कर सकते है 7 आवेदन पत्र एवं अन्य आवश्यक जानकारी मेपकास्ट की बेवसाइट पर प्राप्त की जा सकती है 7 इच्छुक व्यक्ति दिनांक 28 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण एवं अधिक जानकारी हेतु मोबाइल क्रमांक 9926923001 पर संपर्क किया जा सकता है।

नर्मदापुरम में रात में गुलाबी ठंड का अहसास, दिन में तेज धूप, रात में हलकी ठंडक

नर्मदापुरम, निप्र। नर्मदापुरम में अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में मौसम में बदलाव हो रहा है। यहां दोपहर में तेज धूप पड़ रही है, तो वहीं रात में गुलाबी ठंड का अहसास हो रहा है। मौसम में इस बार-बार हो रहे बदलाव से दिन और रात के तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। सोमवार को रात के तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

रात का पारा 20.8, दिन का 33.4 डिग्री : सोमवार को न्यूनतम तापमान 20.8 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि एक दिन पहले यह 21.8 डिग्री पर था। वहीं, दिन में 10 बजे के बाद तेज धूप निकलने से गर्मी का एहसास हुआ। अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री दर्ज किया गया। एक दिन पहले यह 33 डिग्री दर्ज हुआ था।

पचमढ़ी में रात का पारा 18.4 डिग्री : सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी में भी दिन का तापमान 26.4 डिग्री और रात का 18.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

दो विक्षोभ सक्रिय, हल्की बारिश की संभावना : मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दो दिन तक मौसम मिला-जुला रहेगा। दो विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम में यह बदलाव हो रहा है। इसके चलते बादल छाने के साथ ही कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की भी संभावना जताई गई है।

हरदा पुलिस लाइन में शहीद स्मृति दिवस मनाया

कलेक्टर, एसपी, न्यायाधीशों ने दी श्रद्धांजलि, परिजनों को किया सम्मानित

हरदा, निप्र। हरदा में मंगलवार को जिला पुलिस लाइन में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर देश की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में कलेक्टर सिद्धार्थ जैन, एसपी शशांक और अन्य न्यायाधीशों ने शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया। शहीदों के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर और परेड का आयोजन किया गया।

रक्षित निरीक्षक रजनी गुर्जर के निर्देशन में जवानों ने कंधे पर बंदूक रखकर सिर झुकाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम का संचालन एसआई प्रियंका पाठक ने किया। कलेक्टर और एसपी ने शहीदों के परिजनों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर न्यायाधीश, एसडीओपी, थाना प्रभारी, अन्य पुलिसकर्मी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। एसपी शशांक ने बताया कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के दुर्गम क्षेत्र में भारतीय पुलिस के

जवानों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

तभी से हर साल देशभर में पुलिस शहीद दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 191 पुलिस जवान शहीद हुए हैं, जिनमें से 11 मध्यप्रदेश के हैं। कार्यक्रम में शहीदों के परिजनों को भी सम्मानित किया गया। इसमें शहीद इलाबसिंह पटेल के बड़े भाई गुमर सिंह पटेल और शहीद दीपसिंह चौहान के बड़े भाई अनारसिंह चौहान शामिल हुए।

बुधनी नर्मदा घाट पर हादसा :भोपाल के 18 वर्षीय युवक की डूबने से मौत

सीहोर, निप्र। सीहोर में सोमवार दोपहर नर्मदा नदी के ऐतिहासिक बुधनी घाट पर एक युवक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान भोपाल निवासी 18 वर्षीय सूरज विश्वकर्मा के रूप में हुई है, जो अपने चार साथियों के साथ नर्मदा स्नान करने आया था। जानकारी के अनुसार, सूरज अपने साथियों दीपक और राजेश विश्वकर्मा के साथ नहा रहा था, तभी वह अचानक गहरे पानी में चला गया और लापता हो गया। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय युवकों वरुण माझी, दीपक यादव और दीपक मेहरा ने नदी में उतरकर शव को बाहर निकाला। हालांकि, तब तक काफी देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि पिछले तीन महीनों में यह तीसरा ऐसा हादसा है। लगातार हो रही इन घटनाओं के बावजूद प्रशासन और बुधनी नगर परिषद की लापरवाही पर सवाल उठ रहे हैं। घाट पर न तो सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं और न ही चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं की जान जोखिम में बनी हुई है।

माधव उद्यान के तालाब में सैकड़ों मछलियां मरीं

नगर पालिका पर साफ सफाई मेंटेंन न करने का आरोप, केमिकल होने की शिकायत

विदिशा, निप्र। विदिशा शहर के माधव उद्यान स्थित तालाब में आज सुबह सैकड़ों मछलियां मृत पाई गईं। सुबह घूमने पहुंचे लोगों ने बताया कि तालाब के किनारों पर मछलियां मरी पड़ी थीं, जबकि कई मछलियां पानी की सतह पर तड़पती नजर आईं।

तालाब में केमिकल होने की शिकायत : स्थानीय लोगों का कहना है कि तालाब के पानी में ऑक्सीजन की कमी या किसी रासायनिक पदार्थ के मिलने से यह स्थिति बनी हो सकती है। उन्होंने नगर पालिका से पानी की जांच और तालाब की सफाई कराने की मांग की है, ताकि मौत का सही कारण सामने आ सके।

बदबू से लोगों में नाराजगी : अर्पित उपाध्याय ने बताया कि जब वे सुबह उद्यान पहुंचे तो तालाब से बदबू आ रही थी और मछलियां मरी हुई पड़ी थीं। उन्होंने इसे पर्यावरण के लिए गंभीर चेतावनी बताते हुए प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की अपील की। लोगों ने नगर पालिका पर सफाई में लापरवाही के आरोप लगाए। लोगों ने कहा कि यदि तालाब की सफाई और निगरानी

समय पर नहीं की गई, तो यह समस्या और बढ़ सकती है। इस घटना की सूचना नगर पालिका अधिकारियों को दे दी गई है, और अब लोग जल्द जांच की उम्मीद कर रहे हैं।

किसान भाई रबी फसलों की बुवाई खेतो की अच्छी तैयारी उपरांत उचित तापक्रम आने पर करें

हरदा (निप्र)। कृषि विज्ञान केंद्र हरदा की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ संध्या मूरे ने कृषक भाइयों को सलाह दी है कि वर्तमान में मौसम की स्थिति को देखते हुए रबी की बुवाई अभी न करें, वर्तमान में रवि फसलों के अंकुरण के लिए उपुक्त तापक्रम नहीं है साथ ही अभी तक वर्षा होने से खेतों में ज्यादा नम होने से मृदा जनित बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है तथा आगामी पांच दिनों मे वर्षा की संभावनाएं हरदा जिले में है जिससे फसल को नुकसान होगा। जब सामान्य तापक्रम पर घर में घी जमने लगे तो यह वातावरण का तापक्रम रबी फसलों की बुवाई हेतु उपयुक्त माना जाता है। किसान भाइयों को सलाह दी गई है कि खेतों की अच्छी तैयारी उपरांत उपयुक्त तापक्रम आने पर ही अनुशंसित किस्म की बोनी करें।

महाकाल मंदिर में पुजारी और संत भिड़े

गर्भगृह में गालीगलौज-हाथापाई तक हुई; दोनों ने एक-दूसरे को देख लेने की धमकी दी

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार सुबह गर्भगृह में संत और मंदिर के पुजारी भिड़ गए। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों में गालीगलौज, धक्का-मुक्की और हाथापाई तक हो गई। एक-दूसरे को देख लेने तक की धमकी दी। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मंदिर प्रशासक को शिकायत दी है।जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह करीब 8 बजे ऋणमुक्तेश्वर मंदिर के गादीपति महंत महावीर नाथ, गोरखपुर के महंत शंकर नाथ जी के साथ गर्भगृह में दर्शन करने पहुंचे थे। इस दौरान गर्भगृह में मौजूद पुजारी महेश शर्मा ने दोनों संतों की वेशभूषा पर आपत्ति जताई। इस पर बहस शुरू हुई जो विवाद में बदल गई।

गर्भगृह में धक्का-मुक्की, पुजारी गिरे

धक्का-मुक्की में पुजारी महेश शर्मा नीचे गिर गए। यह विवाद गर्भगृह से निकलकर नंदी हॉल तक पहुंच गया, जहां सुरक्षा कर्मियों ने बीचबचाव कर दोनों को अलग किया। इसके बाद महंत महावीर नाथ मंदिर परिसर से चले गए।

पुजारी बोले- हमने नियम बताए थे

महाकाल मंदिर के पुजारी महेश शर्मा ने बताया कि सुबह महावीरनाथ ने चोंगा पहनकर और सिर पर फेटा बांधकर मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश किया। हमने उन्हें मंदिर के नियम बताए तो उन्होंने अभद्र भाषा बोलते हुए गर्भगृह में गालियां दीं। मना करने पर मुझे धक्का दिया। बाहर आकर भी उन्होंने गालियां दीं। मारपीट की कोशिश की और देख लेने की धमकी तक दी। मंदिर के नियमों को ताक में रखकर लगातार चिल्लाते रहे। हमने महाकाल मंदिर प्रशासक को शिकायत दर्ज कराई है।

महावीर का आरोप- पुजारी ने की अभद्रता

ऋण मुक्तेश्वर मंदिर के गादीपति महावीर नाथ ने बताया कि सुबह महाकाल मंदिर में प्रवेश के दौरान पुजारी महेश ने गर्भगृह में विवाद किया। उन्होंने मेरे साथ आए शंकर नाथ जी के साथ अभद्रता भी की। हमने समझाने की कोशिश की, लेकिन वो नहीं माने और विवाद करने लगे। फिलहाल हमने साधु-संतों के साथ मंदिर प्रशासक को एक ज्ञापन दिया है।

दोनों पक्षों ने की शिकायत-घटना के बाद महाकाल मंदिर के पुजारियों ने साधु-संतों की शिकायत मंदिर प्रशासक को की।

हरदा जिले में प्रमाण-पत्र और यूडीआईडी कार्ड के लिए आयोजन

हरदा, निप्र। हरदा जिले में 16 अक्टूबर से 10 नवंबर तक 18 साल तक के दिव्यांगजनों के चिन्हांकन के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ये शिविर सामाजिक न्याय विभाग द्वारा आयोजित किए गए हैं, ताकि दिव्यांग व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके। शिविरों में दिव्यांगजनों का चिन्हांकन करने के बाद उन्हें दिव्यांगता प्रमाण-पत्र और यूडीआईडी कार्ड प्रदान किए जाएंगे। ये शिविर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होंगे। उप संचालक सामाजिक न्याय कमलेश सिंह ने दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे तय समय पर शिविर स्थल पर उपस्थित होकर अपना चिन्हांकन कराएं।

शिविरों का कार्यक्रम इस प्रकार है

27 अक्टूबर: जिला चिकित्सालय हरदा - जनपद पंचायत और नगर पालिका हरदा के वार्ड क्रमांक 1 से 15 के हितग्राही

30 अक्टूबर: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खिरकिया- जनपद पंचायत और नगर परिषद खिरकिया के हितग्राही

3 नवंबर: जिला चिकित्सालय हरदा - जनपद पंचायत और नगर पालिका हरदा के वार्ड क्रमांक 16 से 35 के हितग्राही

6 नवंबर: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रहटगांव - जनपद पंचायत टिमरनी की सभी ग्राम पंचायतों के हितग्राही

10 नवंबर: सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिराली - जनपद पंचायत खिरकिया की ग्राम पंचायतों और नगर परिषद सिराली के हितग्राही

दिव्यांगजनों से अनुरोध है कि वे निर्धारित तारीख और समय पर शिविर में पहुंचकर अपना चिन्हांकन कराएं, ताकि वे सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकें।

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा आयोजित करने के निर्देश

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ सुश्री सर्जना यादव ने सिस्टमैटिक एंड एक्टिव मीटिंग्स इन विलेजेज टू एंड डेवलपमेंट पहल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का नियमित मासिक आयोजन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि कैलेंडर अनुसार निर्धारित दिवसों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाए और ग्राम सभाओं में पंचायतीराज मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशानुसार सभी गतिविधियां आयोजित की जाएं।

रवींद्र-भवन में राज्य स्तरीय गोवर्धन-पूजा कार्यक्रम में सीएम ने कहा-

गोमाता सनातन की प्राण, गोवर्धन पूजा जियो और जीने दो का विचार साझा करने का प्रतीक

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को रवींद्र भवन में गोवर्धन पूजा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुए। सीएम ने कहा कि गोमाता सनातन संस्कृति की प्राण हैं। हमारी परंपराएं और उत्सव में प्रकृति के प्रति आदर और समाज के प्रति उत्तरदायित्व समाहित है।

गोवर्धन पूजा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। गोवर्धन और गोवंश की पूजा हमें प्रकृति, पर्यावरण व पशुधन संवर्धन का संदेश देती हैं। यह प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का उत्सव है। गोवर्धन पूजा जियो और जीने दो के विचार को समाज में मिल-बांटकर साझा करने का प्रतीक है।

वन विभाग का बड़ा सर्वे

41 वन मंडलों में मंदिर ढूंढ निकाले, 22 वनमंडलों में अभी जारी है सर्वे

भोपाल (नप्र)। वन विभाग ने प्रदेश के जंगलों का सर्वे कराकर उनमें मौजूदा जनजातीय वर्ग के 1149 मंदिर (देवस्थान) खोज निकाले हैं। इनमें हजारों वर्ष पुराने कई प्राचीन शिव और विष्णु मंदिर भी शामिल हैं। वन विभाग द्वारा कराए गए सर्वे में प्रदेश के 63 वनमंडलों में से 41 वनमंडलों में यह देवस्थान मिले हैं।

इनकी डिटेल सूची तैयार कर वन विभाग ने मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी है, जबकि 22 वन मंडलों में सर्वे का काम अभी जारी है।

गौरतलब है कि दो माह पूर्व सीएम डॉ. मोहन यादव ने वन विभाग की समीक्षा बैठक में जंगलों के भीतर मौजूद मंदिर और आस्था स्थलों की जानकारी जुटाने के निर्देश दिए थे। सीएम ने इन देवस्थानों के संरक्षण के लिए योजना बनाने को कहा था।

इन मंदिरों की सूची में नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी के जंगलों में मौजूद चौरागढ़ महादेव मंदिर, रायसेन जिले के महलपुर पाठा के जंगलों में 12वीं सदी का प्राचीन राधा-कृष्ण मंदिर भी शामिल है। इन्हीं में उत्तर बैतूल वनमंडल के छतरपुर गांव के पास रावण देव नामक धर्मस्थल भी मिला है, जिसे स्थानीय आदिवासियों द्वारा देवता रावण देव के के रूप में पूजा जाता है।

यहां स्थानीय आदिवासी मनोकामानएं पूरी करने के लिए आते हैं। वहीं चौरागढ़ महादेव मंदिर मप्र के साथ ही महाराष्ट्र और गुजरात के आदिवासी पैदल यात्रा कर त्रिशूल चढ़ाने आते हैं।

वन क्षेत्रों में मौजूद देवस्थानों को अलग-अलग जनजातीय समूहों द्वारा बड़ादेव, सरना, पुनीत वन, पवित्र निकुंज, बाबा देव स्थान आदि भी कहा जाता है। यहां पर वर्ष में एक या दो बार धार्मिक अनुष्ठान, मेलों का आयोजन भी होता है। यह देवस्थान 10 हजार वर्गफीट से 20 हेक्टेयर तक के वन क्षेत्र में फैले हुए हैं।

छतरपुर के जंगलों में मिले हैं सर्वाधिक 50 देवस्थान- वन विभाग के सूत्रों के मुताबिक सर्वाधिक 50 देवस्थान छतरपुर के जंगलों में मिले हैं। छिंदवाड़ा जिले के दो और पादुर्ना वनमंडलों में 49, जबलपुर में 34, सतना में 7, सीधी में 2, देवस्थान मिले हैं। 979 देवस्थान ऐसे हैं, जो घने जंगलों के भीतर हैं, जबकि 170 ऐसे हैं, जो वनों के नजदीकी इलाकों में स्थित हैं।

इनमें 7 देवस्थान ऐसे भी हैं जिन्हें मुस्लिम समुदाय द्वारा पूजा होती है। इनमें इंदौर वनमंडल के ग्राम काचरोट में पीर दरगाह है, उत्तर बालाघाट वनमंडल के ग्राम उकवा में दरगाह है, जहां उर्स भी लगता है। इसके अलावा भी चिह्नित किए हैं।

पुरातत्वविद् नारायण व्यास ने दिया था सुझाव- जंगलों में मौजूद देवस्थानों के संरक्षण का सुझाव रिटायर्ड पुरातत्वविद् और मप्र वाइल्ड लाइफ बोर्ड के सदस्य नारायण व्यास ने दिया था। उन्होंने रायसेन, छतरपुर, पन्ना, सतना समेत कई जिलों में वन क्षेत्रों में बिखरी पड़ी पुरासंपदा और जनजातियों संस्कृति के केंद्रों के बारे में बताते हुए इनके सर्वे और संरक्षण की मांग की थी।

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति विजय मनोहर तिवारी ने व्यास के सुझाव का समर्थन करते हुए इन सभी देवस्थानों के संरक्षण के लिए योजना बनाने का सुझाव वाइल्ड लाइफ बोर्ड की बैठक में दिया था।

उमा भारती बोलीं- 2029 का चुनाव झांसी से ही लड़ूंगी

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा- 29 अक्टूबर को गो-संवर्धन अभियान का शुभारंभ करूंगी

भोपाल (नप्र)। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने चुनाव लड़ने की बात दोहराते हुए बुधवार को फिर कहा है कि मैं 2029 का चुनाव झांसी से ही लड़ूंगी। लड़ूंगी तो झांसी से ही लड़ूंगी। मेरी इच्छा लोकसभा चुनाव लड़ने की ही है। पार्टी कहेगी तो चुनाव लड़ूंगी, मना नहीं करूंगी।

उमा भारती ने कहा कि मैं राजनीति में हाशिए पर नहीं हूं। गाय और गंगा, यह कार्य राजनीति के लिए दिल से कर कर रही हूं। इसके अलावा पॉलिटिक्स में मेरी कोई और रुचि नहीं है। उमा भारती ने कहा कि गोपाष्टमी पर 29 अक्टूबर को गो-संवर्धन अभियान का शुभारंभ करूंगी। यह अभियान डेढ़ साल तक चलेगा।

इसके लिए ग्राम पंचायतों से सहयोग लिया जाएगा। इससे किसानों को जोड़ा जाएगा। उमा भारती ने कहा कि मैं चाहती हूं कि लाड़ली बहनों को 2 गाय दी जाएं, क्योंकि लाड़ली बहनें ही गायों को पालने का काम अच्छे से कर सकती हैं। गाय तब बचेगी जब किसान चाहेगा। गो, गंगा आत्मनिर्भर भारत की धुरी हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि 4 नवंबर को गंगा सफाई का अभियान चलेगा। जिसमें सभी प्रदेशों से प्रमुख लोग प्रयागराज पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भगवान कृष्ण का नाम गोपाल गलत पढ़ने और माखन चोर नहीं होने को लेकर दिए गए बयान के मामले में उमा भारती ने कहा कि राजनेता को शास्त्र मर्मज्ञ नहीं बनना चाहिए।

लेडी हेल्थ ऑफिसर ने नर्मदा नदी में कूदकर सुसाइड किया

डॉक्टर पति ने कहा- मंगलसूत्र नहीं मिलने से नाराज थी, गुस्से में घर से निकली थी

बड़वानी (नप्र)। बड़वानी में डॉक्टर की पत्नी ने 301 फीट ऊंचे पुल से नर्मदा नदी में छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया। पति का कहना है कि पत्नी को मंगलसूत्र चाहिए था। उसे समझाया कि बाद में ला देंगे। इसी से नाराज होकर उसने आत्महत्या कर ली। महिला कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर थी और जिले के बोराली गांव में पदस्थ थी।

घटना छोटी कसरावद गांव में बुधवार सुबह करीब 9.30 बजे की है। कल्याणपुरा गांव निवासी सीएचओ अंगूरबाला लोनखेड़े अपने पति डॉ. कृष्णा लोनखेड़े से विवाद के बाद अपनी स्कूटी से निकली और नर्मदा पुल पर पहुंचीं। गाड़ी खड़ी कर सीधे नदी में कूद गईं। पुल से गुजर रहे लोगों ने उन्हें कूदते देखा और तुरंत नाविकों को सूचना दी। नर्मदा पुल पर तैनात एसडीआरएफ की टीम ने नाव से सीएचओ का रेस्क्यू किया और उन्हें पानी से बाहर निकाला। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पति इंदौर में डॉक्टर हैं- अंगूरबाला राजपुर के बोराली गांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सीएचओ थीं। डॉ. कृष्णा लोनखेड़े इंदौर में बच्चों के डॉक्टर हैं। दंपती दिवाली मनाने बड़वानी स्थित अपने गांव कल्याणपुरा आए हुए थे।

डॉ. कृष्णा लोनखेड़े ने बताया कि बुधवार सुबह घर में पत्नी से मंगलसूत्र को लेकर विवाद हुआ था।